राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 01 अप्रैल 2022 वर्ष–4,अंक–65 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी, योगी और शाह पर विवादित बयान देने वाले कव्वाल के खिलाफ केस दर्ज

रीवा । मध्य प्रदेश के रीवा में उर्स के दौरान एक कव्वाल ने विवादित टिप्पणी कर दी। कव्वाल नवाज शरीफ ने कहा कि मोदीजी कहते हैं हम हैं, योगी जी कहते हैं हम हैं, अमित शाहजी कहते हम हैं, अगर गरीब नवाज चाह ले तब हिंदुस्तान कहां था, कहां है, कहां पर बसा था, पता नहीं चलेगा। इसके बाद कव्वाल के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। दरअसल, मनगवां में कव्वाल का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। यह पूरा वाक्या 28 मार्च को मनगवां के उर्स कव्वाली मंच का है। कव्वाल नवाज शरीफ ने कहा, मोदी जी कहते हैं हम हैं, योगी जी कहते हैं हम हैं, अमित शाह जी कहते हम हैं, अगर गरीब नवाज चाह ले तो हिंदुस्तान कहां था, कहां है, कहां पर बसा था पता नहीं चलेगा। नवाज के बयान के बाद लोगों में काफी नाराजगी है और कव्वाल के ऊपर एफआईआर की मांग की जा रही थी। आखिरकर पुलिस ने कव्वाल और आयोजक पर मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। आरोपी नवाज शरीफ की गिरफ्तारी के लिए टीम यूपी भेजी गई है। एएसपी शिव कुमार वर्मा ने बताया कि पुलिस ने आईपीसी की 153, 505(2), 298 धाराओं पर राजद्रोह, धार्मिक भावनाओं को भड़काने जैसे आदि मामले दर्ज किए है। पुलिस ने कव्वाल शरीफ परवाज के अलावा उर्स कमेटी ईदगाह के आयोजकों को भी दोषी मानकर उन पर भी मामले दर्ज किए। कव्वाली के बाद आरोपी शरीफ सहित आयोजक फरार हैं, उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीम यूपी भेजी है।उर्स कव्वाली में कार्यक्रम के दौरान भाजपा के मनगवां विधायक पंचू लाल प्रजापति मौजूद थे, लेकिन उस दौरान उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी और ना ही आपत्ति दर्ज कराई थी। विधायक मामले में अब कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

प्रमोशन में आरक्षण रद्द करने के खिलाफ केंद्र सरकार

नई दिल्ली । प्रमोशन में आरक्षण के मुद्दे पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि इसे रद्द करने से साढ़े चार लाख कर्मचारियों पर असर पड़ेगा।केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि प्रमोशन में आरक्षण की नीति रद्द करने का असर साढ़े चार लाख कर्मचारियों पर पड़ने से उनमें अंसतोष बढ़ेगा। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि 2007 से 2020 के बीच साढ़े चार लाख से अधिक कर्मचारियों को इसका लाभ मिला था। और ऐसे में अगर इस नीति के खिलाफ किसी भी तरह का आदेश दिया जाता है तो इसके गंभीर और व्यापक प्रभाव हो सकते हैं। 2017 में दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रमोशन में आरक्षण की केंद्र की इस नीति को खारिज कर दिया था। अपनी नीति का बचाव करते हुए केंद्र ने अपने हलफनामे में कहा कि उस नीति से किसी पर उल्टा या नकारात्मक असर नहीं पड़ रहा था। सरकार का कहना है कि प्रमोशन में आरक्षण का लाभ सिर्फ उन्हीं कर्मचारियों को दिया गया जो मानदंडों को पूरा करते हैं और वो निर्धारित अर्हता पूरी करते हों। शिक्षा में आरक्षण से पिछड़े तबके को कितना फायदा? सरकार ने अदालत के सामने 75 मंत्रालयों और विभागों का डेटा भी पेश किया।

मोदी देश के 100 सबसे शक्तिशाली लोगों की लिस्ट में पहले नंबर पर

देश में सबसे पॉवरफुल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी की पोजीशन

एजेंसी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता बढ़ती ही जा रही है। पीएम मोदी देश के 100 सबसे शक्तिशाली लोगों की लिस्ट में पहले नंबर पर हैं। इस लिस्ट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मोहन भागवत, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी शामिल हैं।

फिर छाए पीएम मोदी

100 पॉवरफुल लोगों की सूची इंडियन एक्सप्रेस ने जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, मोदी के आलोचकों का मानना था कि कोरोना और कृषि कानूनों को वापस लेने से उनकी छवि खराब हुई है लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक उनकी छवि में निखार आया है। पीएम मोदी की राजनीतिक छवि पर कृषि कानून का कोई असर नहीं पड़ा है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण से दूर रहना और फिर भी 22,000 भारतीयों को युद्ध क्षेत्र से बाहर निकालने के लिए यूरोपीय देशों तक पहुंचना उनके नेतृत्व को एक जबरदस्त कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

अमित शाह का भी प्रभाव कम नहीं

रिपोर्ट में कहा गया कि जेपी नड्डा के भाजपा अध्यक्ष होने के बावजूद अमित शाह का पार्टी में काफी प्रभाव है। केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में वह सरकार में प्रभावी नंबर 2 बने हुए हैं।

हालांकि यूपी विधानसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ दोनों ही भाजपा के प्रचार के चेहरे थे। सीएम योगी आदित्यनाथ दोनों ही भाजपा के प्रचार के चेहरे थे। शाह को पार्टी का कैडर को सक्रिय करने के लिए कदम उठाना पड़ा क्योंकि किसान आंदोलन के बीच पश्चिमी यूपी में पार्टी को कड़ी टक्कर मिली।

शक्तिशाली लोगों में योगी और ममता का भी नाम तीसरे पर चीफ मोहन भागवत हैं। 96 बिलियन डॉलर (फोर्ब्स के अनुसार) की कुल संपत्ति के साथ सबसे अमीर भारतीय मुकेश अंबानी सबसे शक्तिशाली लोगों की लिस्ट में 5वें स्थान पर हैं। हाल ही में संपन्न हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करने वाले योगी आदित्यनाथ 100 सबसे शक्तिशाली लोगों की लिस्ट में छठे स्थान पर मौजूद हैं। लिस्ट में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का भी नाम है, जो 11वें स्थान पर हैं।

अखिलेश यादव को झटका दे क्यों बीजेपी में जाने को तैयार हैं शिवपाल

नई दिल्ली । मुलायम सिंह यादव के परिवार में एक बार फिर फूट पड़ गई है। कुछ दिन पहले छोटी बहू अपर्णा यादव ने परिवार की पार्टी छोड़कर भगवा चोला ओढ़ लिया तो अब छोटे भाई शिवपाल यादव भी उसी राह पर हैं। 2017 विधानसभा चुनाव से पहले अपनी अलग पार्टी बनाने वाले प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) प्रमुख शिवपाल सिंह यादव हाल में संपन्न हुए चुनाव में भतीजे अखिलेश यादव से मिली निराशा से इस कदर आहत हैं कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जाने को तैयार हैं। आखिर 7 मार्च तक अखिलेश को मुख्यमंत्री बनाने की बात करने वाले शिवपाल इसी महीने के अंत तक विरोधी खेमे में जाने को क्यों तैयार हो गए हैं? आइए करते हैं पड़ताल। शिवपाल की नारजगी की शुरुआत करीब 6 साल पहले उस समय हुई जब सपा की बागडोर मुलायम सिंह यादव के हाथ से निकलकर अखिलेश यादव के पास चली गई। मुलायम के सपा मुखिया रहते शिवपाल सपा में हमेशा नंबर दो की हैसियत में रहे। उनका सम्मान होता रहा। मगर, सपा की कमान अखिलेश के हाथ में आने के बाद सम्मान न मिलने की वजह से यह दूरियां बढ़ती गईं। शिवपाल का राजनीतिक घर ही पराया हो गया। उन्होंने प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) का गठन करके अपनी अलग जमीन तैयार करने की कोशिश की, लेकिन इसमें कोई खास सफलता नहीं मिल पाई। राजनीतिक मजबूरियों के चलते विधानसभा चुनाव में शिवपाल यादव ने एक बार फिर अखिलेश का साथ मंजूर किया। बड़े भाई मुलायम सिंह यादव के कहने पर वह भतीजे के साथ गठबंधन को तैयार हो गए। लेकिन जिस तरह अखिलेश यादव ने उनकी पार्टी को एक भी सीट नहीं दी और उन्हें सपा के सिंबल पर ही लड़ने को मजबूर किया, उससे प्रसपा प्रमुख बेहद आहत हो गए। इस हालत में प्रसपा के कई बड़े नेता साथ छोड़कर दूसरे दलों में शामिल हो गए। चुनाव के दौरान ही शिवपाल यादव का दर्द कई बार जुबान पर आ गया था।

राहुल गांधी का आरोप, गरीब और मध्य वर्ग के लोगों को परेशान करना बंद करे सरकार

नई दिल्ली ।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने विजय चौक पर पेट्रोल-डीज़ल की बढ़ती कीमतों को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य सांसदों ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ गुरुवार को संसद के निकट धरना दिया। कांग्रेस सांसदों ने संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही आरंभ होने से करीब डेढ़ घंटे पहले विजय चौक पर कांग्रेस के महंगाई मुक्त भारत अभियान के तहत धरना दिया। इसमें राहुल के अलावा लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और कई अन्य सांसद शामिल हुए। कांग्रेस सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। कांग्रेस के महासचिवों एवं प्रदेश प्रभारियों की गत शनिवार को हुई एक बैठक में फैसला लिया गया था कि पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और कई खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर सरकार को घेरने के लिए पार्टी 31 मार्च से तीन चरणों में 'महंगाई मुक्त भारत' अभियान चलाएगी। इस धरने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि 'महंगाई, खासकर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस पार्टी पूरे देश में विरोध जता रही है।

पिछले 10 दिनों में नौ बार बढ़ोतरी की गई है। सरकार इस वृद्धि से हजारों करोड़ रुपये कमा रही है। इसकी चोट गरीबों और मध्य वर्ग पर पड़ती है। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि सरकार पेट्रोल और डीजल के दाम नियंत्रित करे और कीमतें बढ़ाना बंद करे। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि रसोई गैस सिलिंडर की कीमत दोगुनी हो गई है। दिल्ली में अब पेट्रोल की कीमत 102 रुपये प्रति लीटर हो गई है। सरकार सिर्फ एक चीज कर रही है, गरीबों की जेब से पैसे निकालो और दो-तीन बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाओ। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के महासचिवों एवं प्रदेश प्रभारियों की गत शनिवार को हुई बैठक में फैसला लिया गया था कि पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और कई खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर सरकार को घेरने के लिए पार्टी 31 मार्च से तीन चरणों में 'महंगाई मुक्त भारत' अभियान चलाएगी। यह अभियान सात अप्रैल तक चलेगा।

पंजाब के मुक्तसर में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे किसान

नई दिल्ली । दिल्ली में किसान आंदोलन के दौरान आम आदमी पार्टी हमेशा किसानों के समर्थन में आवाज बुलंद करती रही है। अब कि जब पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है तो प्रशासन को किसानों के विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ रहा है। पंजाब के मुक्तसर में बीकेयू (एकता उग्राहां) के बैनर तले किसान जिला प्रशासनिक भवन के सामने प्रदर्शन कर रहे हैं। वे किसानों पर लाठीचार्ज का आदेश देने के आरोप में कलेक्टर पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। किसान मांग कर रहे हैं कि पिंक बॉलवॉर्म की वजह से उनकी फसलों का जो नुकसान हुआ है, उसका मुआवजा दिया जाए और राजस्व अधिकारियों से झड़प के मामले में उनपर दर्ज एफआईआर वापस ली जाए। लांबी में हुए इस मामले में पुलिस ने मंगलवार को कम से कम 9 किसान नेताओं और 150 अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद किसानों ने लांबी में हाइवे जाम कर दिया। लांबी केस में एक आरोपी गुरुपाश सिंह पाशा ने कहा, हम नायब तहसीलदार से परेशान थे, और किसी से नहीं। हमने बाकी कर्मचारियों से वहां से जाने को कहा था लेकिन वे सब नहीं जा रहे थे। इसके बाद पुलिस ने कहा कि कलेक्टर का आदेश है और लाठियां बरसानी शुरू कर दीं। हम चाहते हैं कि एफआईआर रद की जाए और डीसी के खिलाफ कार्रवाई हो। हमारी फसलों का मुआवजा भी दिया जाए।

सरकार ने टीम भेजकर चिराग पासवान से खाली कराया बंगला

नई दिल्ली । लोकसभा सांसद चिराग पासवान से उनके दिवंगत पिता रामविलास पासवान को आवंटित बंगले को खाली कर लिया गया है। इससे पहले उन्हें पिछले साल जारी किए गए निष्कासन आदेश को अमल में लाने के लिए सरकारी टीम यहां भेजी गई थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत आने वाले संपदा निदेशालय की टीम के वहां पर पहुंची, जिसके तुरंत बाद लुटियंस दिल्ली में जनपथ स्थित बंगले से फर्नीचर और घरेलू सामान ले जाने की प्रक्रिया शुरू हुई। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के आधिकारिक पते 12 जनपथ बंगले से सामान लदे दो ट्रक बाहर निकले, जबकि तीन और बंगले के सामने खड़े थे। अधिकारियों ने कहा कि बंगला केंद्रीय मंत्रियों के लिए रखा गया है और सरकारी आवास में रहने वालों को इसे खाली करने के लिए कहा गया है। इस बंगले का उपयोग पार्टी की संगठनात्मक बैठकों और अन्य संबंधित कार्यक्रमों के आयोजन के लिए नियमित रूप से किया जाता था। देश के प्रमुख दलित नेताओं में से एक राम विलास पासवान का अक्टूबर 2020 में 74 साल की उम्र में निधन हो गया था। वह केंद्र की कई सरकारों में 1989 से मंत्री रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की मृत्यु के बाद चिराग पासवान और उनके चाचा पशुपति कुमार पारस के बीच मतभेदों के चलते लोजपा दो धड़ों विभाजित हो गई।

हिजाब विवाद पर आरएसएस नेता बोले ड्रेस कोड का पालन नहीं करने वाले छात्र छोड़ दें देश

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस के वरिष्ठ नेता कल्लाडका प्रभाकर भट ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे धर्मनिरपेक्ष देश है और यह शांति और सद्भाव की भूमि है। शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्धारित ड्रेस पहनने से इनकार करने वाले छात्रों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि अगर वे यहां के नियमों का पालन नहीं कर सकते हैं तो उन्हें देश छोड़ देना चाहिए। मंगलगंगोत्री परिसर में मैंगलोर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्र परिषद का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत ने सभी को धार्मिक स्वतंत्रता की पेशकश की है और इसने सभी धर्मों के लोगों को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि भारत का एक समृद्ध इतिहास है और मुगल राजा उस इतिहास का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने मुगल बादशाह अकबर के खिलाफ कुछ आलोचनात्मक टिप्पणी भी की। इस बीच कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया सीएफआई और स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के सदस्यों ने परिषद के उद्घाटन के लिए भट को परिसर में आमंत्रित करने के लिए विश्वविद्यालय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। दोनों संगठनों के नेताओं ने कहा कि भट को भड़काऊ भाषण देने के लिए जाना जाता है। भाषण देने के लिए जाना जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ यदापदित्य ने कहा कि यह पीजी छात्र परिषद थी जिसने भट को आमंत्रित करने का फैसला किया था और विश्वविद्यालय छात्रों के फैसले का विरोध नहीं कर सकता था।

तमिलनाडु के वन्नियार समुदाय को दिए 10.5 फीसदी के आरक्षण खारिज

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के वन्नियार समुदाय को दिए 10.5 फीसदी के आरक्षण को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाकर कहा कि किसी भी समुदाय को आरक्षण देने के लिए जाति ही एकमात्र आधार नहीं हो सकती है। वन्नियार समुदाय को तमिलनाडु में मोस्ट बैकवर्ड कम्युनिटी माना जाता है। जस्टिस एल.नागेश्वर राव और बीआर गवई की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट के 1 नवंबर को दिए गए फैसले को बरकरार रखते हुए यह आदेश दिया। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ तमिलनाडु सरकार और पीएमके ने याचिका दायर की थी। जस्टिस नागेश्वर राव ने कहा कि 2021 में तमिलनाडु सरकार की ओर से बनाया गया यह कानून संविधान की शक्तियों का बेजा इस्तेमाल है। उन्होंने कहा कि इसका कोई आधार नहीं बनता है, कि वन्नियार समुदाय को अलग श्रेणी में रखा जाए। फरवरी 2021 में वन्नियार समुदाय को मोस्ट बैकवर्ड कम्युनिटी घोषित करते हुए तमिलनाडु विधानसभा में 10.5 फीसदी आरक्षण देने का कानून पारित किया गया था। यह कोटा एमबीसी के लिए तय 20 फीसदी आरक्षण में से ही दिया जाना था। फैसले के तुरंत बाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु की वन्नियार जाति को मिले 10.5फीसदी के आरक्षण को किया खारिज

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के वन्नियार समुदाय को दिए गए 10.5 फीसदी के आरक्षण को खारिज कर दिया है। शीर्ष अदालत ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि किसी भी समुदाय को आरक्षण देने के लिए जाति ही एकमात्र आधार नहीं हो सकती है। वन्नियार समुदाय को तमिलनाडु में मोस्ट बैकवर्ड कम्युनिटी माना जाता है। जस्टिस एल. नागेश्वर राव और बीआर गवई की बेंच ने मद्रास हाई कोर्ट के 1 नवंबर को दिए गए फैसले को बरकरार रखते हुए यह आदेश दिया। हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ तमिलनाडु सरकार और पीएमके ने याचिका दायर की थी। जस्टिस नागेश्वर राव ने कहा कि 2021 में तमिलनाडु सरकार की ओर से बनाया गया यह कानून संविधान की शक्तियों का बेजा इस्तेमाल है। उन्होंने कहा कि इस बात का कोई आधार नहीं बनता है कि वन्नियार समुदाय को अलग श्रेणी में रखा जाए। फरवरी 2021 में वन्नियार समुदाय को मोस्ट बैकवर्ड कम्युनिटी घोषित करते हुए तमिलनाडु विधानसभा में 10.5 फीसदी आरक्षण देने का कानून पारित किया गया था। यह कोटा एमबीसी के लिए तय 20 फीसदी आरक्षण में से ही दिया जाना था। इस फैसले के तुरंत बाद इसे हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। तब शीर्ष अदालत ने यह कहते हुए सुनवाई से इनकार कर दिया था कि इस बारे में हाई कोर्ट फैसला देगा। हाई कोर्ट ने आरक्षण को खारिज कर दिया था और फिर उसके आदेश को चुनौती दिए जाने पर शीर्ष अदालत ने भी उसके फैसले को सही करार दिया है। हाई कोर्ट ने बीते साल अपने फैसले में कहा था कि एआईएडीएमके सरकार की ओर से वन्नियार समुदाय को दिए गए 10.5 फीसदी आरक्षण का कोई आधार नहीं बनता है।

शिवपाल को राज्यसभा में भेज, पुत्र को जसवंत नगर से उतर सकती हैं भाजपा

लखनऊ । प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के संस्थापक शिवपाल यादव के अगले कदम पर पूरे प्रदेश की निगाहें टिकी हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अपने भतीजे अखिलेश यादव से नाराज चल रहे शिवपाल के भारतीय जनता पार्टी के संग जाने की अटकलें हैं। बुधवार शाम मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात के बाद शिवपाल का पाला बदलना तय माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से भी शिवपाल की मुलाकात हो चुकी है। प्रसपा प्रमुख और जसवंतनगर के विधायक शिवपाल ने भतीजे अखिलेश से नाराजगी के बीच बुधवार की रात मुख्यमंत्री योगी से मिलने उनके सरकारी आवास पहुंचकर सभी को चौंका दिया। दोनों के बीच करीब 20 मिनट बातचीत हुई। शिवपाल के निकलने के तुरंत बाद वहां भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह पहुंचे। तेजी से बदले इस घटनाक्रम के बाद प्रदेश में सियासी हलचल तेज हो गई है। अभी यह साफ नहीं हुआ है, कि वह भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले हैं, या अपनी पार्टी को एनडीए का हिस्सा बनाएंगे। सूत्रों का कहना है कि अधिक संभावना बीजेपी में शामिल होने की है। भाजपा उन्हें राज्यसभा सदस्य बनाने का प्रस्ताव दे रही है। वहीं जसवंतनगर की खाली होने वाली सीट पर शिवपाल के बेटे आदित्य यादव को चुनाव लड़ाया जाएगा। शिवपाल विधानसभा चुनाव में बेटे के लिए टिकट चाहते थे, लेकिन अखिलेश ने मना कर दिया। वह बेटे के भविष्य को लेकर भी चिंतित हैं। भाजपा के फॉर्म्युले के तहत उनकी यह चिंता दूर होगी। अखिलेश की ओर से आजमगढ़ की सीट खाली होने के बाद इस पर छह महीने के भीतर उपचुनाव होना है। चर्चा यह भी है कि शिवपाल को भाजपा इस सीट से उतार सकती है। यह सीट सपा के लिए सुरक्षित मानी जाती है। लेकिन सपा कार्यकर्ताओं के बीच अच्छी पकड़ रखने वाले शिवपाल के सीट से उतारे जाने से भाजपा को परिणाम हक में आने की उम्मीद है। भाजपा हर हाल में लोकसभा उपचुनाव में जीत दर्ज करना चाहेगी, जिससे 2024 से पहले एक और सकारात्मक संदेश दे सके। शिवपाल का मुख्यमंत्री योगी से अचानक मिलना अपने आप में प्रदेश की राजनीति में बड़े उलटफेर के संकेत दे रहा है। सवाल है कि शिवपाल यादव का अगला कदम आखिर क्या होगा? क्या वह बहू अपर्णा की तर्ज पर भाजपा की शरण में नहीं जाएंगे? वैसे पिछले लोकसभा चुनाव से पहले उनके भाजपा में जाने की पूरी बिसात बिछ चुकी थीं लेकिन बाद में शिवपाल खुद ही पीछे हट गए। वजह साफ है, बड़े भाई मुलायम सिंह यादव के हाथ से सपा की बागडोर जाने राजनीतिक घर ही पराया हो गया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार सर्वसाधारण जनता की उपेक्षा एक बड़ा राष्ट्रीय अपराध है। - स्वामी विवेकानंद

संपादकीय

पूर्वोत्तर में नई उम्मीद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मध्यस्थता के कारण असम और मेघालय के बीच करीब पांच दशक पुराने सीमा विवाद को खत्म करने को लेकर बनी सहमति एक बड़ी कामयाबी है। यकीनन, इससे भारतीय संघ-राज्य की परिकल्पना और मजबूत हुई है। संघीय ढांचे में दो राज्यों या दो प्रशासनिक इकाइयों के बीच भौगोलिक सीमाओं या संसाधनों के बंटवारे को लेकर मतभेद एक सामान्य बात है। ऐसे किसी विवाद में आदर्श स्थिति तो यही है कि संबंधित सूबों के मुख्यमंत्री या प्रशासक भारतीय संविधान की भावना का आदर करते हुए आपसी समझ-बूझ से इसे दूर कर लें, क्योंकि सभी प्रदेशों में बसने वाले लोग अंततः अखंड भारत के ही नागरिक हैं और किसी के हितों की अनदेखी उचित नहीं है। पर अमूमन ऐसा होता नहीं है, मुद्दे उलझते जाते हैं और फिर वे केंद्र के पास या अदालत की शरण में पहुंच जाते हैं। कई बार तो ये हिंसक मोड़ भी ले लेते हैं, जैसा कि असम और मेघालय के मामले में पिछली जुलाई में हुआ था। तब दोनों सूबों के सुरक्षाबलों की झड़प में असम पुलिस के कई जवानों की जान चली गई थी और केंद्र को हस्तक्षेप करना पड़ा था। सन् 1972 में असम से ही काटकर मेघालय का गठन हुआ था और तभी से करीब 500 वर्गमील इलाके पर अधिकार को लेकर दोनों राज्यों में अनबन रही है। ऐसे में, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के सक्रिय हस्तक्षेप के बाद अब दोनों पड़ोसी राज्यों ने विवाद के 12 में से छह बड़े बिंदुओं पर समझौता कर लिया है। उम्मीद है, बकाया मुद्दे भी जल्द सुलझा लिए जाएंगे। वैसे भी, दोनों प्रदेशों में एनडीए की सरकारें हैं, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुरू से खास तौर पर पूर्वोत्तर के आर्थिक विकास की पैरोकारी करते रहे हैं। उनकी सरकार बखूबी जानती है कि जब तक इन प्रदेशों में स्थायी शांति नहीं होगी, तब तक उनका विकास अवरुद्ध रहेगा। इसीलिए पूर्वोत्तर के प्रदेशों में कई स्तरों पर शांति-वार्ताएं की जाती रही हैं, और इनके नतीजे भी मिले हैं। खुद केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा है, पिछले तीन वर्षों के दौरान इन प्रदेशों में 6,900 सशस्त्र विद्रोहियों ने आत्म-समर्पण किया है। यह दुखद है कि देश के दो सबसे खूबसूरत भौगोलिक इलाके, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर ज्यादातर अशांति की चपेट में रहे और न तो विदेशी-घरेलू पर्यटकों की मेजबानी के जरिये ये अपना आर्थिक हित साध सके, और न ही देश की औद्योगिक तरक्की का लाभ उठा सके। इन प्रदेशों में न रेलवे का विस्तार हुआ और न ही सड़कों का पर्याप्त विकास हो सका। निस्संदेह, इन प्रदेशों के राजनीतिक नेतृत्व की यह सामूहिक विफलता है, क्योंकि उन्होंने अपने सियासी नफे-नुकसान के कारण क्षेत्रीय आकांक्षाओं की लगातार अनदेखी की। ऐसे में, असम और मेघालय के बीच हुआ ताजा समझौता नई आशा जगाता है कि पूर्वोत्तर में अमन बहाली के काम को अब और गति मिल सकेगी। चूंकि असम के मुख्यमंत्री पिछले कई वर्षों से पूर्वोत्तर में भारतीय जनता पार्टी के बड़े रणनीतिकारों में शामिल रहे हैं, ऐसे में स्थानीय हितधारकों से उनका संपर्क-संवाद स्वाभाविक है। केंद्र सरकार इसका लाभ उठाते हुए यदि वहां व्यापक क्षेत्रीय समझ विकसित कर सकी, तो पूर्वोत्तर के साथ-साथ पूरे भारत को इसका फायदा होगा। देश के कई पड़ोसी प्रदेशों में अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों की सरकारें हैं, जिनके बीच दशकों से तरह-तरह के विवाद हैं। उनके लिए भी यह समझौता एक प्रेरक उदाहरण हो सकता है।

आज के कार्टुन

संगीत बोध

आचार्य रजनीश ओशो/ जीवन में सबसे अधिक सीखने योग्य यदि कुछ है, तो संगीत का बोध है, संगीत का भाव है। संगीत का अर्थ है कि जीवन का अंतिम रहस्य स्वरों की भीड़-भाड़ नहीं है, न ही एक अराजकता है, न ही एक अव्यवस्था है; वरन सभी स्वर मिलकर एक ही तरंग, एक ही लय, एक ही इंगित, एक ही इशारा कर रहे हैं। जीवन के परम-केंद्र पर सभी संयुक्त है, सुव्यवस्थित है। और जो अव्यवस्था दिखाई पड़ती है, वह हमारे अंधेपन के कारण है। जो स्वरों का उपद्रव दिखाई पड़ता है, जो तनाव दिखाई पड़ता है, वह भी हमारे बहरे होने के कारण है। क्योंकि हम ठीक से सुन नहीं पाते, इसलिए हम स्वरों के बीच में बहती हुई जो समस्वरता है, उसका अनुभव नहीं कर पाते हैं। हमें स्वर तो सुनाई पड़ जाते हैं, लेकिन एक स्वर को दूसरे स्वर से जोड़ने वाला जो बीच का सेतु है- संगीत-वह हमें सुनाई नहीं पड़ता है। जैसे-जैसे सुनने की सामर्थ्य बढ़ेगा वैसे-वैसे स्वर खोते जाएंगे और संगीत उभरने लगेगा। एक ऐसा क्षण भी आता है, जब स्वर खो जाते हैं, शून्य हो जाते हैं; सब लहरें खो जाती हैं और केवल संगीत का सागर रह जाता है, केवल संगीत की प्रतीत रह जाती है। संगीत का अर्थ है, स्वरों के बीच जो प्रेम का संबंध है, एक स्वर दूसरे स्वर से जिस मार्ग से जुड़ा है, एक स्वर दूसरे स्वर में जिस भांति खो जाता है और लीन हो जाता है। यह जो दो स्वरों के बीच में अंतराल है, वह अंतराल खाली नहीं है। वह अंतराल भी भरा हुआ है। उस अंतराल को अनुभव करने का नाम जीवन के संगीत को अनुभव करना है। सुना होगा कि सत्य शब्दों में नहीं कहा जा सकता, लेकिन शब्दों के बीच में जो खाली जगह होती है, वहां प्रकट होता है। और सुना होगा कि रिक्तता तोड़ती नहीं, जोड़ती है। और यह भी सुना होगा कि शून्यता भी मात्र शून्यता नहीं है, शून्यता भी एक अपूर्व संगीत से भरी है, लेकिन शून्यता को सुनने की, सन्नाटे को सुनने का सामार्थ्य हमारे पास नहीं है। जीवन का संगीत अंतरालों में है। अंतराल हमें दिखाई नहीं पड़ते। एक स्वर सुनाई पड़ता है, फिर दूसरा स्वर सुनाई पड़ता है, लेकिन बीच में कोई सेतु नहीं दिखाई पड़ता। इससे अराजकता अनुभव होती है। हम यहां इतने लोग बैठे हैं। एक व्यक्ति दिखाई पड़ता है, फिर दूसरा व्यक्ति दिखाई पड़ता है, दोनों के बीच में जो जोड़ है, वह दिखाई नहीं पड़ता। इसलिए सभी व्यक्ति अलग-अलग मालूम पड़ते हैं। अगर बीच का जोड़ दिखाई पड़ जाए, तो व्यक्ति यहां खो जाएं, जीवन की एक सरिता रह जाए।

वर्ष प्रतिपदा : संपूर्णता के लिए शक्ति आराधना का उत्सव

(लेखक- राकेश कुमार वर्मा/)

शक्ति की आराधना के विशिष्ट साधनाकाल चैत्र नवरात्र का शुभारंभ हमारे भारतीय नववर्ष अर्थात वर्ष प्रतिपदा से होता है। इसमें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के अनेक प्रसंग निहित हैं। भगवान श्रीराम और सम्राट युधिष्ठिर का इसी दिन राज्याभिषेक हुआ था। भारत में प्रचलित सभी संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही आरंभ हुए। वर्तमान में प्रचलित संवतो में सबसे प्राचीन युगाब्ध माना जाता है जो कलियुग का आरंभसूचक है। हम जानते हैं कि हमारे राजकीय कार्य भले ही शक संवत के अनुसार नियत होते हैं लेकिन आम जनमानस की सामाजिक कार्यों में विक्रमी संवत ही स्वीकार्य है जो सम्राट विक्रमादित्य द्वारा आक्रमणकारी शकों से मुक्ति का प्रतीक है। ब्रम्हपुराण में उल्लेख है . चैत्रमासे जगद्ब्रम्हा ससर्ज पृथमेहिनी ---- अर्थात प्रतिपदा तिथि को ही ब्रम्हा जी ने सृष्टि की रचना कर मानव की उत्पत्ति की थी। सृष्टि का संबंध प्रकृति से है और प्रकृति को नारी की संज्ञा दी गई है जिसे शक्ति के रूप में स्वीकार किया गया है। शाक्त् दर्शन स्त्रैरण प्रधानता की अभिव्यिक्ति है। शिव वह महायोगी हैं जो समस्तं इन्द्रियों को नियंत्रित कर भूख और कामनाओं पर नियंत्रण से मोक्ष को प्राप्तव होते हैं। पुरुष भी ब्रम्हव को सत्यत मानते हुए प्रकृति की सत्तौ को अस्वी्कार करता है। इसलिए अनेक संस्कारिों और विविध उपासना मार्गों से संपूर्णता को अनुभूत कर वह मोक्ष प्राप्तक करना चाहता है। स्त्रीय को सृजन का आधार माना गया है। अनेक तथ्योंे पर वह पुरुष से प्रधान है। वह संपूर्णता के साथ जन्मा लेती है, उसमें डिम्ब- गुणसूत्र सहित विविध संरचनायें पुरुषों की तुलता में अधिक पायी जाती हैं क्यो्कि वह कोख से काल्पीना को आकृति देती है इसलिए वह अपने आप में ब्रम्हाा का प्रतीक है क्यौंकि ईश्वयरीय अनुभूतियों और संपूर्णता के साथ वह मोक्ष अवस्थान को प्राप्ते हो चुकी होती है। क्योंकि ब्रम्ही को सृष्टि का सर्जक माना गया है, इसलिए ईश्वकर की कल्पमनाकृति में स्त्रैण गुण की प्रधानता परिलक्षित होती है। वह प्रत्येधक जन्म में भूख अथवा अतृप्तण से पुत्ती में पड़े जीवों की मुक्ति के लिए आदियोगी शिव को हिमालय से काशी लाने के लिए उद्यत है। अंततः अर्द्धनारीश्वशर काशी आकर माता अन्न पूर्णा से भिक्षा प्राप्तु कर जीवों को तृप्तै करते हैं।

नारद ऋषि की वीणा से गिरी माला के आघात से जब इंदुमती की मृत्युल हो गई तब अपनी सहज धीरता का त्यामग कर राजा अज के इस विलाप से द्रवित (प्रकृति प्रतीक)हो वृक्ष भी अपनी शाखाओ से रसस्त्रा व कर रोने लगते हैं।

निराला रचित 'राम की शक्ति पूजा' में जब विजय से शंकित राम को देख जामवंत शक्ति की ,आराधन करने को कहते हैं तो परीक्षास्वररूप दुर्गा अंतिम कमल उठा लें जाती हैं लेकिन बलिदान की भावना से बाण से जैसे ही राम कमलरूपी नयन निकालने को उद्यत होते हैं 'महाशक्ति राम के वदन में लीन हो जाती है। परिणामस्वारूप राम संपूर्ण हो विजयी होते हैं। अद्वैतवाद में 'ब्रम्हं सत्यंद जगत्तैमिथ्यार' के सूत्रधार शंकराचार्य एक बार जब ब्रह्म मुहूर्त में स्नान हेतु मणिकर्णिका घाट जा रहे थे तभी उन्होंने मार्ग में मृत पति को गोद में लिए विलाप करती स्त्री् को देखा । तंग रास्तें से शव हटाने के आचार्य शंकर के अनुरोध पर वह बोली - 'आप ही इस शव को हट जाने के लिए क्यों नहीं कहते?' यह सुनकर आचार्य बोले- 'हे देवी! आप शोक में कदाचित यह भी भूल गई कि शव में स्वयं हटने की शक्ति ही नहीं है।' स्त्री ने तुरंत उत्तर दिया- 'महात्मन् आपकी दृष्टि में तो शक्ति निरपेक्ष ब्रह्म ही जगत का कर्ता है, फिर शक्ति के बिना यह शव क्यों नहीं हट सकता?' उस स्त्री के ऐसे गंभीर, ज्ञानमय, रहस्यपूर्ण वाक्य सुनकर आचार्य की समाधि लग गई। अंतऱ्चक्षु में उन्होंने देखा- सर्वत्र आद्याशक्ति महामाया लीला विलाप कर रही हैं। उनका हृदय अनिवर्चनीय आनंद से भर गया और मुख से मातृ वंदना की शब्दमयी धारा के रूप में 'सौन्दर्य लहरी', के भक्तिरसपूर्ण स्तोत्र फूट पड़े।

बोधगया में बुद्ध ने निरंजना नदी के तट पर कठोर तपस्या की तथा सुजाता द्वारा अर्पित खीर से उपवास तोड़ा। पुत्रप्राप्ति से प्रसन्न सुजाता ने कहा- 'जैसे मेरी मनोकामना पूरी हुई, उसी तरह आपकी भी हो।' उसी रात ध्यानस्थर सिद्धार्थ को ज्ञानबोध हुआ, तभी से सिद्धार्थ 'बुद्ध' कहलाए।

भगवती सूत्र के अनुसार तीर्थंकर महावीर स्वाधमी जयंती नामक राजकुमारी से गंभीर तात्विक एवं धार्मिक संवाद से प्रभावित हो पुरुषों को पत्नीभ हित में गृहस्थातश्रम पालन को श्रेष्ठी बताया। उनके 'सप्पुरिसो...पुत्तदारस्सत अत्थाए हिताए सुखय होति... के फलस्वतरूप तीर्थंकर महावीर के दस चतुर्वधि रूप में विकेन्द्रित पूर्ववर्ती परंपरा के पालन से विधवा सहित अन्यप उपेक्षित नारियों को भिक्षुणियों, श्राविका जैसा गुरुतर सम्माइन मिला।

विक्रमोर्वशीयम' में कालिदास मानव हृदय को चेतन प्रकृति के साथ एक करते हैं शकुन्तलला के पतिगृह जाने के दौरान तपोवन की समस्ता प्रकृतिउसे उपहारसहित आशीर्वाद देने लगती है। उसके आसन्नम विरह के बोध से कातर होकर ऑसू बहाती है। उसी चेतन प्रकृति से पुरुरवा बार-बार अपनी प्रिया उर्वशी का पता पूछता है। ''कामार्त्तार हि प्रकृति कृपणाश्चेहतनाचेतनेषु'' अर्थात कामार्त्तचेतन और अचेतन में कहॉ भेद कर पाते हैं ।

ईश्वर, जीव, प्रकृति(परमाणु), काल एवं आकाश अनादि हैं। वेद के द्वा-सुपर्णा मन्त्र के दृष्टान्त में प्रत्यक्ष रूप से तीन सत्तायें (ईश्वर, जीव, प्रकृति) ही प्रतीत होती हैं, जबकि दो अन्य सत्तायें (काल, आकाश) भी परोक्ष-रूप से उपस्थित है, क्योंकि बिना आकाश के वृक्ष हो नहीं सकता और बिना काल के व्यतीत हुए फल का खाना आदि भोग भी असम्भव है। आकाश में ही परमाणु (प्रकृति) स्थित हैं, जो स्थूल होकर दृश्य-जगत का निर्माण करते हैं। अतः सत्य संसार भी है, ब्रह्म भी। सत्य देह भी है और आत्मा भी। इनमें तालमेल है। गहन ऐक्य है, अद्वैत है व परस्पसर संगीतपूर्ण लयबद्धता है। यह जगत ब्रह्म से ही विस्तीर्ण है, ये पहाड़, नदी, झरने, रंग, ये फूल ये व्यक्तित्व ये रूप के वैविध्य में वही है। कबीर का संन्यांसी जगत को स्वी कारते हुए ब्रह्म में रहता है क्योंकि दोनों एक ही सत्य के दो पहलू हैं।

चुवत अमीरस, भरत ताल जहं, शब्द उठै असमानी हो,
सरिता उमड़ि सिंधु को सोखै, नहिं कछु जाए बखानी हो।
अर्थात यह सृष्टि ब्रह्म से ही विस्तीर्ण होने के कारण ऐक्य है।

पति-पत्नी संबंधों में समता पर न्यायिक दृष्टि

अनूप भटनागर

पत्नी की मर्जी के बगैर उससे जबरन संबंध बनाने को अपराध घोषित करने का सवाल अचानक ही फिर सुर्खियों में आ गया। भारतीय दंड संहिता की धारा 375 में प्रदत्त अपवाद दो के तहत पति का पत्नी से बलपूर्वक या उसकी मर्जी के खिलाफ संबंध बनाना अपराध की श्रेणी में नहीं आता है। इस प्रावधान की संवैधानिक वैधता दो-दो उच्च न्यायालयों में लंबित है लेकिन इसी बीच एक अन्य उच्च न्यायालय ने वैवाहिक बलात्कार से संबंधी एक प्रकरण में पति के खिलाफ बलात्कार से संबंधित धारा 376 के तहत मुकदमा चलाने की इजाजत देकर इस विवादास्पद मुद्दे को बेहद दिलचस्प बना दिया है। अब सवाल उठता है कि अगर वैवाहिक बलात्कार को अपराध की श्रेणी में शामिल किया जाता है तो इसके लिए किस तरह की सजा होगी? क्या ऐसे मामले में पति को बलात्कार के अपराध के जुर्म में सख्त सजा होनी चाहिए या इसके लिए अलग से कोई विशेष प्रावधान होना चाहिए? यह सवाल इसलिए जरूरी है कि अगर पत्नी से बलात्कार के अपराध में पति पर मुकदमा चला और उसे सजा हुई तो देखना होगा कि वैवाहिक संस्था पर इसका किस तरह का प्रभाव पड़ेगा? क्या इसके बाद, अमुक पति-पत्नी का दांपत्य जीवन सुरक्षित रहेगा या फिर इसकी परिणति विवाह-विच्छेद की शक्ल में होगी। संभवतः इसी पहलू को ध्यान में रखते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने धारा 375 के अपवाद दो की संवैधानिकता पर सुनवाई के दौरान वैवाहिक बलात्कार के अपराध के लिए सजा के बारे में सवाल किए थे। इस पर याचिकाकर्ताओं की ओर से सिर्फ यही कहा गया कि ऐसे मामलों के लिए सजा की एक नीति होनी चाहिए। कर्नाटक उच्च न्यायालय का कहना है कि पतियों को इस तरह का विशेषाधिकार संविधान के अनुच्छेद 14 में प्रदत्त समता के अधिकार का हनन करता है। दिल्ली उच्च न्यायालय में इस प्रकरण में न्याय मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता राज शेखर राव का भी ऐसा ही तर्क है। उनका यही कहना है कि पत्नी के साथ उसकी सहमति के बगैर सहवास के खिलाफ उसे कम संरक्षण प्रदान करने की कोई वजह नहीं बनती है और यह अपवाद महिलाओं को समता और गरिमा के साथ जीने के अधिकार का उल्लंघन करता है। पत्नी की इच्छा के विरुद्ध उसके साथ यौनाचार को बलात्कार के अपराध से बाहर रखने संबंधी धारा 375 के अपवाद दो के बारे में हालांकि अभी तक कोई सुविचारित न्यायिक व्यवस्था नहीं है, लेकिन इस धारा की वैधानिकता का मुद्दा दिल्ली उच्च न्यायालय और गुजरात उच्च न्यायालय में लंबित है। लेकिन पिछले सप्ताह कर्नाटक उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने इसी तरह के एक मामले में पति के खिलाफ पत्नी द्वारा दर्ज बलात्कार का आरोप हटाने से इंकार कर दिया। एकल न्यायाधीश ने कहा कि पति के इस तरह के कृत्य पत्नियों की आत्मा पर आघात पहुंचाते हैं और अब इस सदियों पुरानी घिसी-पिटी सोच को मिटा दिया जाना चाहिए कि पति अपनी पत्नी के शासक हैं और उनके शरीर, मन और आत्मा के मालिक हैं। दिलचस्प पहलू यह है कि एकल न्यायाधीश ने अपनी 90 पेज की व्यवस्था में यह तो कहा कि बलात्कार का अपराध अगर एक पुरुष के लिए दंडनीय है तो यह एक पति के लिए भी उतना ही दंडनीय होना चाहिए लेकिन धारा 375 अपवाद दो के संबंध में स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा है। उच्च न्यायालय चाहता है कि विधायिका वैवाहिक बलात्कार को अपराध के दायरे बाहर रखने संबंधी इस अपवाद के बारे में विचार करे। न्यायालय का मत था कि यदि वैवाहिक बलात्कार के आरोप को अपराध की श्रेणी से बाहर रखा जाता है तो यह पत्नियों के प्रति अन्याय होगा। दूसरी ओर, दिल्ली उच्च न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ के समक्ष केन्द्र सरकार ने पहले वैवाहिक जीवन में पत्नी से जबरन यौनाचार को अपराध की श्रेणी में रखने से इंकार कर दिया था लेकिन बाद में उसने एक हलफनामा दाखिल कर कहा कि बलात्कार से संबंधित धारा 375 सहित आपराधिक कानून में व्यापक संशोधन करने पर विचार किया जा रहा है। इसके बावजूद, सरकार ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि पत्नी की मर्जी के बगैर उसके साथ यौनाचार को भी अब बलात्कार की श्रेणी में शामिल किया जाएगा या नहीं। वैवाहिक बलात्कार को अपराध की श्रेणी में शामिल करने के मामले में पुरुष संगठनों की ओर से दलील दी जा रही है कि अगर धारा 375 के अपवाद दो को खत्म किया गया तो इसके दुरुपयोग की संभावनाएं बढ़ जायेंगी। पुरुष संगठनों का तर्क है कि देश में पहले से ही महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए अनेक कानून हैं। इनमें धारा 498ए भी शामिल है जिसके दुरुपयोग को लेकर अनेक न्यायिक व्यवस्थाएं हैं। बहरहाल, कर्नाटक उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश की व्यवस्था और दिल्ली उच्च न्यायालय तथा गुजरात उच्च न्यायालय में वैवाहिक बलात्कार के मुद्दे पर प्रतीक्षित व्यवस्था के बाद निश्चित ही यह सवाल सर्वोच्च न्यायालय पहुंचेगा। उम्मीद है कि उच्चतम न्यायालय ही इस विवादास्पद और संवेदनशील विषय पर अपनी सुविचारित व्यवस्था में इसका समाधान निकालेगा।

सू-दोकू नवताल -2081

8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5

सू-दोकू -2080 का हल

3	4	7	8	1	9	2	5	6
5	9	2	3	6	7	4	1	8
8	6	1	4	2	5	9	3	7
2	3	5	6	9	8	7	4	1
1	8	6	7	4	3	5	2	9
4	7	9	1	5	2	8	6	3
6	2	3	9	7	4	1	8	5
7	5	8	2	3	1	6	9	4
9	1	4	5	8	6	3	7	2

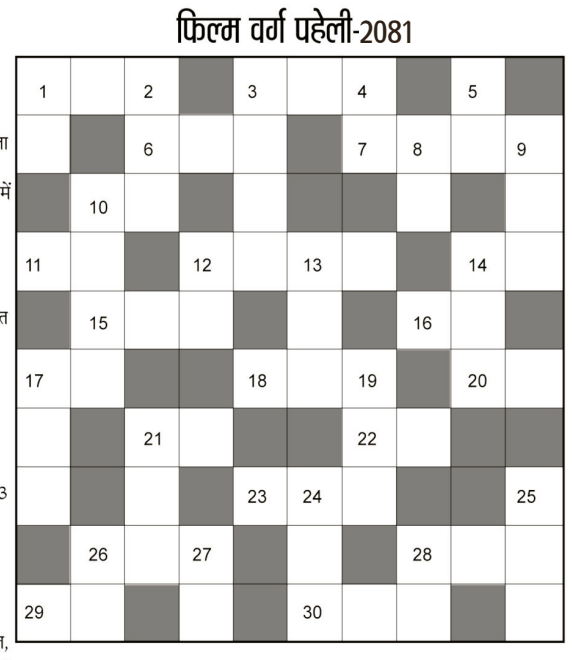

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2081

बायें से दायें:-

1. मनोज बाजपेई, करिश्मा कपूर की फिल्म-3
3. 'चूड़ी बोले पायल बोले' गीतवाली फिल्म-3
6. सुनील दत्त, नूतन अभिनीत फिल्म-3
7. राजेश खन्ना, मिथुन, शबाना, दीप्ति नवल की 'ये हवाएं सर्द सर्द हैं' गीत वाली फिल्म-4
10. फिल्म 'नरसिम्हा' में डिम्पल कपाड़िया के साथ नायक-2
11. 'चोरी चोरी मेरे दिल को' गीत वाली फिल्म-2
12. फिल्म 'अनमोल घड़ी' के प्रसिद्ध गीत 'आवाज दे कहां है, दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन-4
14. फिल्म 'नीला आकाश' में धर्मेंद्र की नायिका-2
15. फिल्म 'प्रेम ग्रंथ' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी?-3
16. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली सन् 1953 की एक फिल्म-2
17. किस प्रसिद्ध गायक का वास्तविक नाम शान्तनु मुखर्जी है-2
18. निर्माता निर्देशक अभिनेता मनोज कुमार की राष्ट्रभक्ति वाली फिल्मों में उनके पात्र का नाम-3
20. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
21. 'हम ने घर छोड़ा है' गीत वाली फिल्म-2
22. फिल्म 'बनारसी बाबू' की नायिका-2
23. अक्षयकुमार, माधुरी की फिल्म-3
26. 'साला मैं तो साब बन गया' गीत वाली फिल्म-3
28. सलमान, करिश्मा की फिल्म-3
29. गोविंदा, नीलम की फिल्म-2
30. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा पारेख की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. अक्षय कुमार, मिलिंद गुणाजी, ट्विंकल खन्ना अभिनीत फिल्म-2
2. 'गवाह हैं चांद तारे' गीत वाली ऋषि कपूर, सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म-3
3. 'मौला मेरे मौला' गीत वाली फिल्म-4
4. आमिर खान, मनीषा कोइराला की फिल्म-2
5. राज कपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाईयां' गीत वाली फिल्म-2
8. 'जब भी ये दिल उदास होता है' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी ग्रेवाल की फिल्म-2
9. फिल्म 'शोला और शबनम' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी?-3
10. फिल्म 'पार्टनर' में 'लव-गुरु' की भूमिका किसने की है?-4
12. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फिल्म-2
13. संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
14. 'तुझ से नाराज नहीं जिंदगी' गीत वाली फिल्म-3
17. जॉय मुखर्जी, सायरा बानो की फिल्म-3
19. अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-3
21. सनी देओल, बॉबी देओल, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत फिल्म-3
24. फिल्म 'बारूद' में अक्षय कुमार के साथ नायिका कौन थी?-3
25. 'काश तुम मुझसे एक बार' गीत वाली फिल्म-3
26. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-2
27. अभिषेक बच्चन, अंतरा माली की फिल्म-2
28. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म (2)

फिल्म वर्ग पहेली-2080

रोबोटिक्स द्वारा की गयी 58 वर्षीय मरीज के किडनी ट्यूमर की दुर्लभ सर्जरी

इन्दौर ।

अपोलो हॉस्पिटल्स, इन्दौर के यूरोलॉजी, ट्रांसप्लांट एंड रोबोटिक सर्जरी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. सौरभ चिपड़े और अपोलो कैंसर सेंटर, नवी मुंबई के यूरो-ऑन्को सर्जन डॉ. अश्विन ताम्हनकर के नेतृत्व में डॉक्टर्स की एक टीम ने किडनी के जटिल ट्यूमर का रोबोटिक पद्धति से इलाज किया। मरीज एक लेखा सलाहकार है, जो मूत्र संबंधी शिकायत के साथ विजय नगर स्थित अपोलो हॉस्पिटल पहुंचे थे। जांच करने पर पता चला कि उन्हें किडनी के निचले हिस्से में एक असामान्य गठान है। किडनी में तीन रक्त वाहिनियां थी, जो सामान्यतः केवल एक ही होती है। ऐसी संरचना जो सर्जन के लिए एक तकनीकी चुनौती थी। चूंकि ट्यूमर किडनी की परिधि (पेरीफेरी) पर स्थित था, ।

इसलिए किडनी का ज्यादातर भाग बचाते हुए सिर्फ प्रभावित क्षेत्र को हटाने का निर्णय लिया गया । पूरी किडनी को निकालना एक सामान्य ऑपरेशन माना जाता है, परन्तु आधी किडनी निकालना एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें तीव्र रक्त स्त्राव (ब्लीडिंग) तथा पेशाब रिसने की समस्या हो सकती है। यह प्रक्रिया पारंपरिक रूप से ओपन सर्जरी के जरिए की जाती है जिसमें एक लंबे चीरे की जरूरत होती है परंतु रोबोटिक असिस्टेंट लेप्रोस्कोपी द्वारा यह छोटे छिद्रों द्वारा की जा सकती है। अपोलो हॉस्पिटल्स, इन्दौर के यूरोलॉजी, एंड रोबोटिक सर्जरी के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सौरभ चिपड़े ने कहा, पूरी तरह से जांच के बाद मैंने उन्हें रोबोटिक-असिस्टेड पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी करवाने का सुझाव दिया। चूँकि ऑपरेशन के बाद मरीज के लिए अपना समय समय पर परीक्षण इन्दौर में ही कराना सुविधाजनक था अतः वे शहर के डॉक्टर से ही ऑपरेशन के इच्छुक थे ।इसलिए मैंने अपोलो हॉस्पिटल नवी मुंबई में जाकर द विंची रोबोटिक सिस्टम का उपयोग करके सर्जरी करने का निर्णय लिया। सफल ऑपरेशन के बाद मरीज बड़ी तेजी से रिकवर हुए और आज वे अपना सामान्य जीवन दोबारा शुरू कर चुके हैं। डॉ सौरभ ने कहा कि शरीर के महत्वपूर्ण अंगो की सर्जरी करने के लिए आधुनिक रोबोटिक्स तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सहयोग से हमें बेहतर परिणाम मिलते है, तथा मरीज कम समय में पूरी तरह से स्वस्थ हो सकते है। मैंने डॉ चिपड़े के साथ अपनी रोबोटिक सर्जरी करवाने का फैसला लिया।

पूंजीगत प्रवाह के खतरों को कम करने भारत ने सुरक्षा उपाय कर रखे हैं:आईएमएफ

वाशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा कि कोविड-19 संकट के बावजूद भारत को बीते कुछ वर्षों में रिकॉर्ड प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है और पूंजीगत प्रवाह के खतरों को कम करने के लिए भारत में कुछ सुरक्षा उपाय हैं। आईएमएफ की पहली उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने यहां कहा` कि पूंजीगत प्रवाह के अनेक लाभ होते हैं। वे आवश्यक निवेशों के लिए वित्तपोषण उपलब्ध करवाते हैं और कुछ प्रकार के खतरों के खिलाफ सुरक्षा देने में मदद करते हैं। भारत में पूंजी प्रवाह होने से देशों को कई लाभ होते हैं और उन पूंजी प्रवाहों को प्राप्त करने से भी लाभ होता है। आईएमएफ ने पूंजी प्रवाह के उदारीकरण और प्रबंधन पर संस्थागत दृष्टिकोण (आईवी) की समीक्षा पर एक दस्तावेज जारी किया। आईवी को 2012 में अपनाया गया था और यह पूंजी प्रवाह से संबंधित नीतियों पर कोष परामर्श के लिए लगातार आधार प्रदान करता है। गोपीनाथ ने कहा कि बड़ी मात्रा में पूंजी प्रवाह होने से अन्य प्रकार के वित्तीय खतरे जुड़े होते हैं। जहां तक भारत की बात है तो वहां बड़ी संख्या में पूंजी प्रतिबंध पहले से लागू हैं। बाहरी माहौल के बदलावों से निपटने के लिए भारत की सरकार इन प्रतिबंधों का इस्तेमाल काफी सक्रियता के साथ करती है। उन्होंने कहा` कि पूंजी प्रवाह के लिहाज से भारतीय अर्थव्यवस्था में कई सुरक्षा व्यवस्थाएं हैं लेकिन यह अभी भी अपने पूंजी खातों को उदार बनाने की प्रक्रिया में है। जैसे-जैसे उसका वित्तीय बाजार गहरा होगा, वित्तीय संस्थान गहरे होंगे, यह पूंजी प्रवाह के अधिक रूपों की अनुमति देने की ओर बढ़ सकता है।

सरकार का अरहर और उड़द दाल के लिए बड़ा फैसला, फ्री कैटेगरी में रखने का फैसला किया

नई दिल्ली।

घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए केंद्र सरकार ने मार्च 2023 तक अरहर दाल और उड़द दाल के आयात को 'मुक्त श्रेणी' में रखने का फैसला किया है। 'मुक्त श्रेणी' में डाले जाने का मतलब है कि इन दालों के आयात पर कोई पाबंदी नहीं होगी।सरकार ने बयान जारी कर कहा है, घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रण में रखने के सक्रिय कदम के तहत केंद्र ने 31 मार्च, 2023 तक अरहर और उड़द के आयात को 'मुक्त श्रेणी' के तहत रखने के निर्णय को अधिसूचित किया।÷ सरकार के अनुसार, इस नीतिगत उपाय को संबधित विभागों और संगठनों द्वारा सुविधाजनक उपायों और इसके कार्यान्वयन की बारीकी से निगरानी के साथ सहयोग दिया गया है। इस फैसले ने अगले वित्त वर्ष में तुअर और उड़द के लिए आयात नीति व्यवस्था से जुड़ी अटकलों पर विराम लगा दिया है। यह नीति एक स्थिर व्यवस्था का भी संकेत देती है। इस नीति से सभी अंशधारकों को फायदा पहुंचने की उम्मीद है। सरकार का कहना है कि इस उपाय से देश में दालों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए इनका निर्बाध आयात सुनिश्चित किया जा सकेगा। गौरतलब कि इन दालों की उपलब्धता में बढ़ोतरी से इनके दाम घटेंगे और इसका सीधा फायदा उपभोक्ताओं को पहुंचेगा। दरअसल, केंद्र सरकार ने 15 मई, 2021 से तहत अरहर, उड़द और मूंग के आयात को 'मुक्त श्रेणी' में डाल दिया था जो 31 अक्टूबर, 2021 तक वैध था। बाद में मूंग दाल को इस श्रेणी से निकाल दिया गया और अरहर व उड़द के आयात के संबंध में मुक्त व्यवस्था को 31 मार्च, 2022 तक बढ़ा दिया गया।

पेट्रोल-डीजल में उतरा महंगाई का करंट, 80 पैसे तक बढ़ गए दाम

नई दिल्ली।

सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। कंपनियों ने एक बार फिर से महंगाई का झटका दिया है। बीते दिनों की तरह आज भी तेल के दाम बढ़ा दिए गए हैं। तेल कंपनियों की ओर से घोषणा के मुताबिक पेट्रोल और डीजल के दाम 80-80 पैसे प्रति लीटर बढ़ा दिए गए हैं। कीमतों में बढ़ोतरी के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 101.01 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर अब 101.81 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत बढ़कर 93.07 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं, मुंबई में पेट्रोल-डीजल के दामों में 84 पैसे की बढ़ोतरी हुई है।

यहां पर पेट्रोल 116.72 रुपए में पहुंच गया है, जबकि डीजल 100.94 रुपए का हो गया है। बता दें कि पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10 दिनों में 9 बार बढ़ोतरी हो चुकी है। देशभर में 22 मार्च से अब तक पेट्रोल की कीमतों में 6.20 रुपए प्रति लीटर का इजाफा हो चुका है। वहीं, डीजल भी 6 रुपए 20 पैसे प्रति लीटर तक महंगा हुआ है। इससे पहले 21 मार्च को राजधानी में पेट्रोल का दाम 95.41 और डीजल 86.67 रुपए प्रति लीटर था। आप अपने शहर के पेट्रोल-डीजल के दाम रोजाना स्म्स के जरिए भी चेक कर सकते है। इंडियन ऑयल के उपभोक्ता कोड> लिखकर 9224992249 नंबर पर व एचपीसीएल के उपभोक्ता <डीलर कोड> लिखकर 9222201122 नंबर पर भेज सकते हैं। बीपीसीएल उपभोक्ता कोड लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज सकते हैं। इसके अलावा आप इंडियन ऑयल की वेबसाइट और ऐप पर भी पेट्रोल डीजल के दाम चेक कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

इस्पात, ईंधन की बढ़ी कीमतों से इस्पात की मांग होगी प्रभावित: स्टील मिंट

नई दिल्ली । इस्पात उद्योग की परामर्शदाता कंपनी स्टीलमिंट इंडिया के मुताबिक ईंधन की लगातार बढ़ती कीमतें और इस्पात के बहुत ऊंचे दामों के कारण घरेलू स्तर पर इस्पात की मांग आने वाली तिमाहियों में प्रभावित होगी। स्टीलमिंट इंडिया ने कहा कि भारत में इस्पात के दाम सर्वकालिक उच्च स्तर पर हैं। हॉट रोल्ड कॉयल (एचआरसी) की कीमत 76,000-77,000 रुपए प्रति टन, कोल्ड रोल्ड कॉयल (सीआरसी) 85,000-86,000 रुपए प्रति टन और इस्पात की छड़ों (रेबार) के दाम 72,000-73,000 रुपए प्रति टन हैं। मार्च के पहले हफ्ते एचआरसी के दाम 68,000-69,000 रुपए प्रति टन, सीआरसी 73,000-74,000 रुपए प्रति टन और रेबार की 67,500-68,500 रुपए प्रति टन थे। स्टीलमिंट ने कहा` कि इस्पात की बढ़ती कीमतों और ईंधन के ऊंचे दामों के कारण आने वाली तिमाहियों में खरीदारी संबंधी गतिविधियां प्रभावित होगी और मांग नकारात्मक रह सकती है। उसने कहा कि अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के बीच घरेलू स्तर पर इस्पात की खपत 9.8 करोड़ टन रह सकती है।

जेएलआर 2030 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 46 फीसदी कमी लाएगी

नई दिल्ली । वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने गुरुवार को कहा कि अपने परिचालनों के दौरान होने वाले ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में वह 2030 तक 46 फीसदी की कमी लाएगी। टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली वाहन विनिर्माता कंपनी इसके अलावा अपनी कारोबारी गतिविधियों की पूरी श्रृंखलाओं में औसत वाहन उत्सर्जन में 54 प्रतिशत की कमी लाएगी, जिसमें उसके वाहनों के उपयोग के चरण में 60 प्रतिशत की कमी लाना शामिल है। इस तरह जेएलआर इस दशक के ओ खिर तक वाहन विनिर्माण और परिचालनों में ग्रीन हाउस गैसों के सीधे उत्सर्जन में 46 फीसदी तक की कमी लाएगी। कंपनी में सस्टेनेबिलिटी निदेशक रोसेला कारडोन ने कहा ` कि अपनी रिइमेजिन रणनीति के तहत हम 2039 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करना चाहते हैं। इस रणनीति के तहत कंपनी लैंड रोवर और जगुआर ब्रांड को इलेक्ट्रिसिटी से चलने वाले वाहनों में बदलने के प्रयास कर रही है।

सरकार ने ऋण गारंटी योजना का दायरा बढ़ाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त मंत्रालय ने पांच लाख करोड़ रुपए की आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) का दायरा बढ़ा दिया। इसके तहत यात्रा, पर्यटन और होटल-रेस्तरां से जुड़े छोटे उद्यमों को योजना में शामिल किया गया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि ईसीएलजीएस 3.0 के तहत यात्रा, पर्यटन और होटल-रेस्तरां से जुड़े एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों) को शामिल कर लाभ का दायरा बढ़ाया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2022-23 के बजट में योजना की अवधि एक साल के लिए मार्च, 2023 तक बढ़ाने की घोषणा की थी। साथ ही योजना के तहत मंजूर राशि 4.5 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर पांच लाख करोड़ रुपए कर दी थी। ताजा संशोधन के अनुसार ईसीएलजीएस 3.0 के अंतर्गत शामिल क्षेत्रों के नये कर्जदार जिन्होंने 31 मार्च, 2021 से 31 जनवरी, 2022 के बीच कर्ज लिया था, अब आपात ऋण सुविधा का लाभ लेने के लिए पात्र होंगे। साथ ही पात्र कर्जदारों के लिए कर्ज सीमा कोष आधारित बकाया कर्ज का 40 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। बयान के अनुसार बढ़ी हुई सीमा अधिकतम 200 करोड़ रुपए प्रति कर्जदार पर निर्भर करेगी। सीमा अधिकतम 200 करोड़ रुपए प्रति कर्जदार पर निर्भर करेगी। मंत्रालय ने कहा कि नये संशोधनों का मकसद इन संपर्क-गहन क्षेत्रों को बिना किसी गारंटी के नकदी के जरिये समर्थन देकर कारोबार को बढ़ावा देना है।

जियो के जनवरी में दूरसंचार ग्राहक घटे, एयरटेल के बढ़े: ट्राई

नई दिल्ली । भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश में दूरसंचार ग्राहकों की संख्या इस साल जनवरी में मामूली रूप से घटकर 116.94 करोड़ रह गई। नियामक ने बताया कि ऐसा मुख्य रूप से रिलायंस जियो के मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं की संख्या में 93.22 लाख की कमी के चलते हुआ। देश में दिसंबर 2021 में 117.84 करोड़ दूरसंचार ग्राहक थे। मुंबई, महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर को छोड़कर अधिकांश दूरसंचार सर्किलों में ग्राहकों की संख्या में गिरावट आई। समीक्षाधीन अवधि में भारती एयरटेल के मोबाइल सेवा के ग्राहकों में 7.14 लाख की बढ़ोतरी हुई और यह एकमात्र बढ़त दर्ज करने वाली कंपनी रही। ट्राई की मासिक ग्राहक रिपोर्ट में कहा गया किजनवरी में मोबाइल सेवा खंड में रिलायंस जियो के सबसे अधिक 93.22 लाख ग्राहक घटे। जनवरी में मोबाइल सेवा खंड में रिलायंस जियो के सबसे अधिक 93.22 लाख ग्राहक घटे। देश के कुल दूरसंचार ग्राहक आधार में मोबाइल या वायरलेस खंड की हिस्सेदारी लगभग 98 प्रतिशत है। समीक्षाधीन अवधि में मोबाइल सेवा खंड में वोडाफोन आइडिया ने 3.89 लाख और बीएसएनएल ने 3.77 लाख ग्राहकों को खो दिया। रिलायंस जियो ने वायरलाइन खंड में सबसे अधिक बढ़त दर्ज की और 3.08 लाख नए ग्राहक जोड़े।

31 मार्च तक आधार कार्ड और पैन कार्ड नहीं करवाया लिंक, तो भरनी पड़ेगी पेनल्टी

नई दिल्ली।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने (सीबीडीटी) ने कहा है कि 31 मार्च, 2022 तक स्थायी खाता संख्या (पैन) को विशिष्ट पहचान संख्या (आधार) से नहीं जोड़ने वाले करदाताओं को 500 रुपए से लेकर 1,000 रुपए तक का जुर्माना भरना होगा। हालांकि, इस तरह के पैन मार्च, 2023 तक चालू रहेंगे और करदाता आयकर रिटर्न दाखिल करने, रिफंड पाने और अन्य आयकर कामकाज के लिए इनका इस्तेमाल कर सकेंगे। पैन को बायोमीट्रिक आधार से जोड़ने की अंतिम तारीख 31 मार्च, 2022 है। सीबीडीटी ने एक अधिसूचना में कहा कि आधार की देरी से सूचना देने पर 500 रुपए का विलंब शुल्क लगेगा। यह जुर्माना शुल्क अगले तीन माह यानी 30 जून, 2022 तक के लिए होगा। उसके बाद करदाताओं को 1,000 रुपए का जुर्माना चुकाना होगा। वहीं पैन को आधार से न जोड़ने की स्थिति में 31 मार्च, 2023 के बाद पैन निष्क्रिय हो जाएगा। सीबीडीटी की ओर से 29 मार्च, 2022 को जारी अधिसूचना के अनुसार, करदाताओं को राहत के लिए उन्हें एक अवसर दिया जा रहा है। वे 31 मार्च, 2023 तक संबंधित प्राधिकरण को आधार-पैन को जोड़ने के लिए अपने आधार की जानकारी दे सकेंगे। इस तरह की सूचना के साथ उन्हें विलंब शुल्क भी देना होगा। सीबीडीटी ने बयान में कहा गया 31 मार्च, 2023 जिन करदाताओं ने आधार के बारे में जानकारी नहीं दी है उनका पैन कानून के तहत आयकर रिटर्न दाखिल करने, रिफंड पाने के लिए चालू रहेगा। लेकिन 31 मार्च, 2023 के बाद इन करदाताओं का पैन निष्क्रिय हो जाएगा। आंकड़ों के अनुसार, 24 जनवरी, 2022 तक 43.34 करोड़ पैन को आधार से जोड़ा जा चुका है। अभी तक 131 करोड़ आधार कार्ड जारी किए गए हैं। पैन-आधार को जोड़ने से 'डुप्लिकेट% पैन को समाप्त करने और कर चोरी रोकने में मदद मिलेगी। एकेएम ग्लोबल के कर भागीदार अमित माहेश्वरी ने कहा कि सरकार ने पैन को आधार से जोड़ने की समयसीमा को कई बार बढ़ाने के बाद आखिरकार अब जुर्माना राशि की सूचना जारी की है। एक अप्रैल से पहले तीन माह के लिए जुर्माना राशि 500 रुपये और उसके बाद 1,000 रुपए होगी। उन्होंने कहा, ''करदाताओं को यह सलाह दी जाती है कि वे अपने आयकर पोर्टल की जांच करें और यह सुनिश्चित करें कि उनके आधार और पैन जुड़े हुए हैं।%% माहेश्वरी ने कहा, ''प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) की कुछ चिंताएं हो सकती हैं क्योंकि कुछ मामलों में उनके पास आधार नहीं है। नांगिया एंडरसन एलएलपी के भागीदार नीरज अग्रवाल ने कहा, ''आयकर रिटर्न दाखिल करने जैसे आयकर से संबंधित कार्यों को पूरा करने के लिए ।

भारत में खुदरा कारोबार से हटने वाले विदेशी बैंकों की सूची में सिटी बैंक भी शामिल

नई दिल्ली ।

सिटीबैंक भारत में खुदरा कारोबार से हटने वाले विदेशी बैंकों की कतार में शामिल हो गया है। अमेरिका के प्रमुख बैंक ने बुधवार को अपने उपभोक्ता बैंक कारोबार को 12,235 करोड़ रुपये में एक्सिस बैंक को बेचने की घोषणा की। इससे पहले एएनजेड ग्रिंडलेज, आरबीएस, कॉमनवेल्थ बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया जैसे वित्तीय संस्थान भारत से अपना कामकाज को धीरे-धीरे कम कर चुके हैं। दोनों बैंक ने कहा कि उसके निदेशक मंडलों ने सिटीबैंक के भारत में उपभोक्ता कारोबार को एक्सिस बैंक द्वारा अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। इससे पहले 2012 में ब्रिटेन के प्रमुख बैंक बार्कलेज ने छोटे एवं मझोले शहरों में स्थित अपनी एक- तिहाई शाखाओं को बंद करके भारत के संचालन को बड़े पैमाने पर कम कर दिया था। भारत में अपने परिचालन को कम करना बार्कलेज की कॉरपोरेट बैंक, निवेश बैंक और संपत्ति प्रबंधन खंडों पर अधिक ध्यान देने की रणनीति का हिस्सा था। कॉमनवेल्थ बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया 2016 में भारत में अपने कारोबार को समेट लिया था। उसने कहा था कि यह निर्णय भारत के संचालन के सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के बाद किया गया है। उसी साल रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड पीएलसी (आरबीएस) ने भी कॉरपोरेट, खुदरा और संस्थागत बैंक कारोबार समेटने का फैसला किया था। बैंक ने वैश्विक स्तर पर कामकाज कम करने के मकसद से यह निर्णय किया था। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड बैंक ने अपनी ग्रिंडलेज बैंक इकाई को स्टैंडर्ड चार्टर्ड को 1.34 अरब डॉलर में बेचने के बाद 2000 में घरेलू परिचालन को बंद कर दिया था। हालांकि, इसने 2011 में मुंबई में एक नई शाखा खोलकर भारतीय बाजार में फिर से प्रवेश किया। एएनजेड 1984 से ग्रिंडलेज बैंक के रूप में भारत में काम कर रहा था। डॉयचे बैंक 2011 में अपना क्रेडिट कार्ड व्यवसाय इंडसइंड बैंक को बेच दिया। वहीं यूबीएस 2013 में भारतीय परिचालन से हट गया। जबकि मोर्गन स्टेनले ने बैंक लाइसेंस वापस कर दिया जबकि निवेश बैंक कारोबार को जारी रखा। इसी प्रकार, मेरिल लिंच और स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने 2015 में अपने कारोबार को सीमित किया था।इसके अलावा, एएचएसबीसी ने 2016 में दो दर्जन से अधिक शाखाएं बंद कीं और 14 शहरों में अपनी उपस्थिति कम की। बीएनपी परिबा ने 2020 में अपना संपत्ति प्रबंधन कारोबार समेटा।

भारत में कारोबार समेटने वाले वैश्विक बैंकों की सूची में अब सिटी भी शामिल

नयी दिल्ली। सिटीबैंक भारत में खुदरा कारोबार से हटने वाले विदेशी बैंकों की कतार में शामिल हो गया है। अमेरिका के प्रमुख बैंक ने बुधवार को अपने उपभोक्ता बैंक कारोबार को 12,235 करोड़ रुपये में एक्सिस बैंक को बेचने की घोषणा की। इससे पहले एएनजेड ग्रिंडलेज, आरबीएस, कॉमनवेल्थ बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया जैसे वित्तीय संस्थान भारत से अपना कामकाज को धीरे-धीरे कम कर चुके हैं। दोनों बैंक ने कहा कि उसके निदेशक मंडलों ने सिटीबैंक के भारत में उपभोक्ता कारोबार को एक्सिस बैंक द्वारा अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। इससे पहले, 2012 में ब्रिटेन के प्रमुख बैंक बार्कलेज ने छोटे एवं मझोले शहरों में स्थित अपनी एक- तिहाई शाखाओं को बंद करके भारत के संचालन को बड़े पैमाने पर कम कर दिया था। भारत में अपने परिचालन को कम करना बार्कलेज की कॉरपोरेट बैंक, निवेश बैंक और संपत्ति प्रबंधन खंडों पर अधिक ध्यान देने की रणनीति का हिस्सा था। कॉमनवेल्थ बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया 2016 में भारत में अपने कारोबार को समेट लिया था। उसने कहा था कि यह निर्णय भारत के संचालन के सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के बाद किया गया है। उसी साल रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड पीएलसी (आरबीएस) ने भी कॉरपोरेट, खुदरा और संस्थागत बैंक कारोबार समेटने का फैसला किया था। बैंक ने वैश्विक स्तर पर कामकाज कम करने के मकसद से यह निर्णय किया था। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड बैंक ने अपनी ग्रिंडलेज बैंक इकाई को स्टैंडर्ड चार्टर्ड को 1.34 अरब डॉलर में बेचने के बाद 2000 में घरेलू परिचालन को बंद कर दिया था। हालांकि, इसने 2011 में मुंबई में एक नई शाखा खोलकर भारतीय बाजार में फिर से प्रवेश किया।

जंग की आंच में खौलता रहेगा खाने का तेल, भारत ने रूस से रिकॉर्ड कीमत पर खरीदा सूरजमुखी तेल

बिजनेस डेस्क।

रूस और यूक्रेन के बीच चल रही लड़ाई के कारण पहले ही खाद्य तेलों के दाम आसमान छू रहे हैं। भारत ने रूस से रिकॉर्ड कीमत पर सूरजमुखी के तेल के आयात के लिए सौदा किया है। भारत में यूक्रेन से सबसे ज्यादा सूरजमुखी तेल का आयात करता है लेकिन लड़ाई के कारण वहां से आयात प्रभावित हुआ है। इस वजह से देश में खाद्य तेल की कीमतों में तेजी आई है। भारत ने अप्रैल में 45,000 टन सूर्यमुखी के तेल के लिए रूस के साथ डील की है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। भारत दुनिया में खाद्य तेल का सबसे बड़ा आयातक है और रूस से मिलने वाले सनफ्लावर ऑयल से देश में इसकी कमी को पूरा किया जा सकेगा। इंडोनेशिया ने पाम ऑयल की सप्लाई को सीमित कर दिया है जबकि दक्षिण अमेरिका में सोयाबीन की फसल प्रभावित हुई है। जेमिनी एडिबल्स एंड फैट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप चौधरी ने कहा कि यूक्रेन से आयात संभव नहीं है, इसलिए खरीदार रूस का रुख कर रहे हैं। उनकी कंपनी ने रूस से 12,000 टन सूर्यमुखी तेल के आयात के लिए कॉन्ट्रैक्ट किया है। डीलरों का कहना है कि रिफाइनर्स ने रूस से 2,150 डॉलर प्रति टन की रिकॉर्ड कीमत पर क्रूड सनफ्लावर ऑयल खरीदा है। इसमें कॉस्ट, इंश्योरेंस और फ्रेट शामिल है। यूक्रेन पर रूस के हमले से पहले यह कीमत 1,630 डॉलर प्रति टन थी। इस समय देश में सूरजमुखी के तेल की खुदरा कीमत 160 से 180 रुपए प्रति लीटर है। नई खेप आने के बाद इसमें 30 फीसदी तक तेजी आ सकती है यानी इसकी कीमत 210 रुपए से 240 रुपए पहुंच सकती है। इस बीच रिटेल इंटेलीजेंस प्लेटफॉर्म क्व्ह5श्व्द्व के आंकड़ों के मुताबिक देश में फरवरी में खाने के तेल की कीमत में तेजी आई। इनमें ब्रांडेड सनफ्लावर, वनस्पति, सरसों और मूंगफली का तेल शामिल है। यूक्रेन और रूस दुनिया में सनफ्लावर ऑयल के सबसे बड़े सप्लायर हैं। भारत में हर साल 25 से 30 लाख टन सनफ्लावर ऑयल की खपत होती है। इसका करीब 70 फीसदी यूक्रेन से आता है। 2021 में भारत के कुल खाद्य तेल आयात में यूक्रेन और रूस की हिस्सेदारी 13 फीसदी थी। भारत ने इन दो देशों से 16 लाख टन खाद्य तेल खरीदा था। फरवरी में देश में सनफ्लावर ऑयल की कीमत में पिछले महीने के मुकाबले चार फीसदी की तेजी आई जबकि सरसों के तेल की कीमत 8.7 फीसदी बढ़ी।

चुनावी बांड की बिक्री एक अप्रैल से

नई दिल्ली । सरकार ने चुनावी बांड की 20वीं किस्त जारी करने को मंजूरी दे दी। बांड बिक्री के लिए एक अप्रैल से 10 अप्रैल तक खुलेगा। राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए गए नकद चंदे के विकल्प के रूप में चुनावी बांड पेश किया गया है। हालांकि विपक्षी दल इस तरह के बांड के जरिये चंदे में कथित रूप से पारदर्शिता की कमी को लेकर चिंता जताते रहे हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा ` कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को उसकी 29 अधिकृत शाखाओं के जरिये 20वें चरण की बिक्री को लेकर बांड जारी करने और उसे भुनाने के लिए अधिकृत किया गया है। यह बिक्री एक अप्रैल से 10 अप्रैल, 2022 तक होगी। एसबीआई की ये 29 शाखाएं लखनऊ, शिमला, देहरादून कोलकाता, गुवाहाटी, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, पटना, नयी दिल्ली, चंडीगढ़, श्रीनगर, गांधीनगर, भोपाल, रायपुर और मुंबई जैसे शहरों में हैं। इस साल के ओ खिर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। योजना के प्रावधानों के अनुसार, चुनावी बांड किसी भी भारतीय नागरिक या देश में स्थापित या गठित इकाइयां खरीद सकती हैं। पिछले लोकसभा या विधानसभा चुनावों में कम-से-कम एक प्रतिशत वोट हासिल करने वाले पंजीकृत राजनीतिक दल चुनावी बांड प्राप्त करने के पात्र हैं। इससे पहले बांड बिक्री की 19वीं किस्त एक जनवरी से 10 जनवरी, 2022 तक हुई थी।

पदक विजेता खिलाड़ियों ने की खेल मंत्री से सौजन्य भेंट

भोपाल। एशियन कैनो स्प्रींट एवं पैरा कैनो चैम्पियनशिप के पदक विजेता खिलाड़ियों ने आज प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया से उनके निवास पर सौजन्य भेंट कर चैम्पियनशिप में अर्जित अपनी उपलब्धियों से उन्हें अवगत कराया। मान. मंत्री जी ने पदक विजेता खिलाड़ियों को उनकी अर्जित उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने विभागीय नियमानुसार पदक अर्जित करने की राशि के चेक खिलाड़ियों को प्रदान किए। उन्होंने खिलाड़ियों से और लगन और मेहनत से खेलने की सलाह दी। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि थाईलैण्ड के पट्टाया में 24 से 27 मार्च तक खेली गई एशियन कैनो स्प्रींट एंड पैरा कैनो चैम्पियनशिप 2022 में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए अकादमी के खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण, एक रजत और पांच कांस्य सहित कुल सात पदक अर्जित किए। खिलाड़ियों में:– 1. पैरा कैनो खिलाड़ी प्राची यादव ने वूमेन व्हीएल-2 की 200 मीटर रेस में स्वर्ण पदक। 2. अक्षित बारोई और नितिन वर्मा की जोड़ी ने के-2 जूनियर मेन 1000 मीटर रेस में रजत पदक। 3. नीरज वर्मा ने सी-1 जूनियर मेन 1000 मीटर रेस में कांस्य पदक। 4. देवेन्द्र सेन और नीरज वर्मा की जोड़ी ने सी-2 जूनियर मेन 1000 मीटर रेस में कांस्य पदक।

विस्फोटक बल्लेबाज संजू की कप्तानी वाली टीम राजस्थान रायल्स अंक तालिका में पहले स्थान पर

बैंगलोर की जीत के बाद बदल गई अंक तालिका

नई दिल्ली ।

बैंगलोर और कोलकाता की टीमों के बीच बुधवार को हुए रोमांचक मैच के बाद अंक तालिका में बदलाव हुए। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में अब सभी टीमें एक एक मैच खेल चुकी है। अंक तालिका में अब टीम के फैंस की दिलचस्पी बढ़ रही है क्योंकि इस बार मुकाबला 8 नहीं बल्कि 10 टीमों के बीच है। बैंगलोर ने शानदार गेंदबाजी के दम पर कोलकाता को टूर्नामेंट के छठे मुकाबले में महज 128 रन के स्कोर पर रोका। लक्ष्य आसान दिख रहा था लेकिन कोलकाता के गेंदबाजों ने इसे मुश्किल बना दिया। 19.2 ओवर में टीम ने 7 विकेट गंवाकर जीत का लक्ष्य हासिल किया। इस जीत के बाद टीम को दो मैच के बाद पहला अंक मिला और वह अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई। इस वक्त अंक तालिका में पहले स्थान पर विस्फोटक बल्लेबाज संजू सैमसन की कप्तानी वाली टीम राजस्थान रायल्स है। पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ टीम ने 210 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था और 61 रन से जीत हासिल करने में कामयाबी पाई थी। इस जीत की वजह से टीम का नेट रन रेट बहुत ही शानदार हो गया और वह एक जीत हासिल करने वाली बाकी टीमों से उपर पहुंच गई।

दूसरे नंबर पर दिल्ली की टीम है जिसकी कप्तानी भी एक विस्फोटक बल्लेबाज रिषभ पंत करते हैं। टीम ने अपने पहले मैच में पांच बार की चैंपियन मुंबई की टीम को हराया था। तीसरे स्थान पर पंजाब की टीम है जिसने बैंगलोर के खिलाफ पहले मैच में 205 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा बड़े आराम से हासिल किया था। चौथा स्थान हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस है जिसने पहले मैच में लखनऊ के खिलाफ जीत हासिल की थी। छठे स्थान पर बैंगलोर की टीम है, इसके बाद की 4 टीमों को पहले मैच में हार मिली थी। सातवें नंबर पर लखनऊ है तो आठवां स्थान पर चेन्नई है इसके बाद नौवें नंबर पर मुंबई और आखिरी पायदान पर हैदराबाद की टीम है।

फाफ डु प्लेसिस ने दिनेश कार्तिक की तुलना महेंद्र सिंह धोनी से की, कहा- उनका अनुभव काम आता है

मुंबई ।

आईपीएल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को रोमांचक मुकाबले में पराजित कर दिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वानिंडु हसरंगा की शानदार फिरकी के सामने कोलकाता के बल्लेबाज काफी असहज नजर आए। श्रीलंका के इस लेग स्पिनर ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए चार ओवरों में सिर्फ 20 रन देते हुए चार विकेट हासिल किए। बैंगलोर ने आखिरी ओवर में मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद बेंगलोर के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने काफी राहत की सांस ली। उन्होंने इस तरह की जीत को जरूरी बताया। इसके साथ ही उन्होंने दिनेश कार्तिक की तुलना महेंद्र सिंह धोनी से भी की। डुप्लेसिस ने कहा, मैं बहुत खुश हूं।

टूर्नामेंट की टूर्नामेंट की शुरुआत में इस तरह के छोटे अंतर से जीतना बहुत महत्वपूर्ण होता है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के सामने स्कोर भले ही बहुत छोटा था लेकिन कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजों ने इसे मुश्किल बनाने का हर संभव प्रयास किया। खास तौर पर कोलकाता के पेसर्स ने पिच का अच्छा उपयोग किया। उमेश यादव और टिम साउदी ने बैंगलोर के टॉप ऑर्डर को शुरुआती झटके दिए। 17 रन पर उसके तीन बल्लेबाज, जिसमें कप्तान डु प्लेसिस और विराट कोहली भी शामिल थे, पविलियन लौट गए थे। डु प्लेसिस ने भी इस बात की सराहना की। उन्होंने कहा, यह छोटा स्कोर था लेकिन सिर्फ सकारात्मक होकर खेलना चाहा लेकिन उनके पेसर्स ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। गेंद पहले अधिक स्विंग हो रही थी लेकिन आज सीम और उछाल था। दो-तीन दिन पहले, यहां 200 रन बने और आज 130 रन। डु प्लेसिस ने कहा, हमने अधिक संयमित होकर खेलना चाहा। यह सिर्फ अनुभव की बात है। रन बनाना कभी चुनौती नहीं थी। हमें विकेट बचाने की जरूरत थी। डुप्लेसिस ने अनुभवी विकेटकीपर दिनेश कार्तिक की तारीफ की। उन्होंने कहा, जहां तक आइस कूल रहने की बात है।

आईपीएल के छठे मैच के बाद प्वाइंट टेबल में बदलाव, कुलदीप से छिनी पर्पल कैप

मुंबई । आईपीएल 2022 के छठे मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स के विरुद्ध खेले गए मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 3 विकेट से जीत हासिल की। इस जीत से आरसीबी को प्वाइंट टेबल में फायदा हुआ है और वह 2 अंकों के साथ अब छठे स्थान पर आ गई है। इससे पहले आरसीबी पहला मैच हारने पर 8वें स्थान पर थी। आरसीबी सहित राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटन्स और केकेआर के भी 2-2 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट के कारण ये टीमें क्रमशः पहले, दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स 7वें, चेन्नई सुपर किंग्स 8वें, मुंबई इंडियंस 9वें और सनराइजर्स हैदराबाद 10वें स्थान पर हैं। इन टीमों के शून्य अंक हैं लेकिन नेट रन रेट के कारण स्थिति में बदलाव है। ऑरेंज कैप में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। फॉफ डु प्लेसिस 93 रन के साथ ऑरेंज कैप होल्ड किए हुए हैं। दूसरे नम्बर पर मुंबई के इशान किशन हैं जिनके 81 रन हैं। टॉप पांच बल्लेबाजों में सनराइजर्स के एडेन मार्कराम तीसरे नम्बर पर हैं जिनके 57 रन हैं। चौथे और पांचवें नम्बर पर क्रमशः राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन और लखनऊ के दीपक हुड्डा हैं जिनके 55-55 रन हैं। वानिंदु हसरंगा ने 5 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल कर ली है। इससे पहले कुलदीप यादव के पास पर्पल कैप थी। उमेश यादव और आकाश दीप 4-4 विकेट्स के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। आकाश दीप 4-4 विकेट्स के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। आकाश दीप 4-4 विकेट्स के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। कुलदीप तीन विकेट के साथ अब चौथे स्थान पर आ गए हैं जबकि ब्रावो के भी 3 ही विकेट हैं लेकिन औसत के कारण वह पांचवें स्थान पर हैं।

आईपीएल-2022: पांच कमियों के कारण कोलकाता को मैच में झेलनी पड़ी शिकस्त

नई दिल्ली ।

आईपीएल-2022 का रोमांच जारी है कोलकाता नाइट राइडर्स को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मैच में शिकस्त झेलनी पड़ी। पहले खेलते हुए कोलकाता की टीम 128 रन पर ऑल आऊट हो गई थी। कोलकाता की बल्लेबाजी में कई तरह की कमियां नजर आईं। गेंदबाजों ने वापसी कराई लेकिन खराब फील्डिंग ने लुटिया डुबो दी। कोलकाता को इस मैच में सबसे ज्यादा भरोसा अपने टॉप क्रम पर था। ओपनिंग क्रम पर अजिंक्य रहाणे, वेंकटेश अय्यर और कप्तान श्रेयस अय्यर के फेल होने से कोलकाता दबाव में आ गई। मिडिल क्रम के बल्लेबाज भी प्रभावित नहीं कर पाए। कुछ हद तक आंद्रे रसेल ने उम्मीद बंधाई जिन्होंने तीन छक्कों की मदद से 25 रन बनाए। अंत में उमेश ने कुछ स्कोर बनाकर स्कोर 120 पार लगाया। कोलकाता को पूरी तरह खराब बल्लेबाजी का खामियाजा भुगतना पड़ा। कोलकाता के सबसे बड़ी दिक्कत श्रीलंकाई दिग्गज ऑलराऊंडर वानिंदु हसरंगा ने दी। इंटरनेशनल क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हसरंगा ने आईपीएल में भी इसे जारी रखा। उन्होंने चार ओवर में महज 20 रन देकर चार विकेट चटका लिए। सबसे पहले कप्तान श्रेयस अय्यर, फिर सुनील नेरेन, इसके बाद शेल्डन जैक्सन को पहली ही गेंद पर पवेलियन की राह दिखा दी। हसरंगा के बनाए दबाव से कोलकाता की टीम उभर नहीं पाई। आईपीएल के पिछले सीजन में हर्षल पटेल ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया था। आज भी उन्होंने किफायती गेंदबाजी की। उन्होंने 4 ओवर में 2 मेडन फेंकते हुए 11 रन देकर 2 विकेट हासिल कीं। हर्षल जब गेंदबाजी करने आए थे तब कोलकाता के बल्लेबाजों के पास खुलकर रन बनाने का मौका था क्योंकि दूसरे छोर पर आकाश दीपक को खूब रन पड़ रहे थे लेकिन हर्षल ने किफायती गेंदबाजी की और कोलकाता को दबाव में ला खड़ा किया। उधर, महंगे साबित होने वाले आकाश दीप भी तीन विकेट निकालने में सफल रहे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सामने 129 रन ही टारगेट था। लेकिन उनकी शुरूआत बेहद खराब रही। लेकिन उनकी शुरूआत बेहद खराब रही। फाफ डु प्लेसिस 5 तो अनुज रावत शून्य पर ही चल बने। विराट कोहली भी 7 गेंदों पर 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। डेविड विली भी जब 18 रन बनाकर आऊट हो गए। तब शाहबाज अहमद और रुदरफोर्ड ने स्कोर को आगे बढ़ाया। इन्होंने टीम को 100 पार कराया जिससे टीम के बाकी खिलाडियों को मनोविज्ञानिक लाभ मिला। दिनेश कार्तिक को डैथ ओवर में रोकना बेहद मुश्किल होता है। कार्तिक ने सिर्फ सात गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से 14 रन बनाए।

संक्षिप्त समाचार

प्रो लीग में दो ओर तीन अप्रैल को भारत ओर इंग्लैंड में होगा मुकाबला

भुवनेश्वर । भारत और इंग्लैंड की पुरुष हॉकी टीम के बची दो और तीन अप्रैल को दो मैच खेले जाएंगे। यहां कलिंग हॉकी स्टेडियम में होने वाले इन मैचों के लिए इंग्लैंड टीम भारत पहुंच गयी है। इंग्लैंड टीम के कप्तान टॉम सॉर्सबी ने कहा कि भारत के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के दो मैचों में खेलने का लाभ उन्हें अगले साल यहां होने वाले विश्व कप में मिलेगा। सॉर्सबी ने कहा, 'हमारी टीम नई है, इसलिए हमारी तैयारी भले ही कम हो पर इन मैचों से हमें आगामी विश्व कप के लिए अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इस टीम को हाल में प्रो लीग में खेलने का अच्छा अनुभव मिला है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें यहां जो भी अनुभव हासिल होगा वह काफी मायने रखेगा क्योंकि हमें विश्व कप के लिये फिर से यहां आना है। भारत साल 2023 में पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा। सॉर्सबी ने कहा, 'भारतीय टीम पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा खेल रही है और यह परिणामों में दिख रहा है। इसलिए हम जानते हैं कि हमारा मुकाबला एक तगड़ी टीम से है। इसलिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

नेहरू स्टेडियम में होगा 33वॉं कर्णिक पुरस्कार समारोह

इन्दौर । जिला स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले उभरते शटलरों को दिया जाने वाला कर्णिक पुरस्कार समारोह 2 से 4 अप्रैल के बीच नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जायेगा। इस समारोह में 2019-20 के 11 वर्गों के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जायेगा, इनमें स्वाति, अनुष्का व अक्षत को दो-दो वर्गों में पुरस्कार मिलेगा। कर्णिक स्मृति समिति इन्दौर सचिव और इन्दौर जिला बैडमिंटन संगठन सह सचिव धर्मेश यशलहा ने बताया कि इस बार कर्णिक पुरस्कार 2019-20 के इन्दौर जिला एकल बैडमिंटन खिलाड़ियों को दिया जाएगा, खिलाड़ियों को नकद राशि प्रदान की जाएगी, कोरोना काल के कारण यह आयोजन दो साल नहीं हो सका। अब यह समारोह इन्दौर जिला बैडमिंटन संगठन द्वारा नेहरु स्टेडियम बैडमिंटन हाल में 2 से 4 अप्रैल तक आयोजित 19वीं रवीन्द्र सेठी स्मृति इन्दौर जिला सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा के दौरान होगा। इस स्पर्धा के भी एकल विजेता खिलाड़ी कर्णिक पुरस्कार के हकदार बनेंगे। 33वें कर्णिक पुरस्कार समारोह में 2019-20 के 11 वर्गों के विजेता खिलाड़ियों को नकद राशि प्रदान की जाएगी। स्वाति सोलंकी, प्रियांश खुशवानी, अक्षत निमाडे, आध्या जैन, अनुष्का शाहपुरकर, अथर्व रावत, वेदांत सोनी और प्रकाश डोडेजा को पुरस्कृत किया जाएगा। इनमें स्वाति सोलंकी,अनुष्का शाहपुरकर और अक्षत निमाडे को दो-दो वर्गों में यह पुरस्कार मिलेगा। यह आयोजन इन्दौर जिला बैडमिंटन संगठन के सहयोग से हो रहा है। यह आयोजन इन्दौर जिला बैडमिंटन संगठन के सहयोग से हो रहा है। उल्लेखनीय है कि कर्णिक पुरस्कार वर्ष 1987 से दिये जा रहे हैं, अब तक इन्दौर के 200 बैडमिंटन खिलाड़ियों को यह पुरस्कार मिल चुका हैं। यह अकेला खेल पुरस्कार है जो जिला स्तर पर अधिकृत स्पर्धा के विजेता खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता हैं।

आईपीएल के बीते चार सीजन में केएल राहुल ने लगाए सबसे ज्यादा छक्के

मुंबई ।

क्रिकेट को रोमांच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीए-2022) में चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स की टीमों का मुकाबला होंगा। दोनों टीमों की सीजन की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। चेन्नई को कोलकाता के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वहीं लखनऊ की टीम को गुजरात टाइटंस ने हराया था। अपना पहला सीजन खेल रही लखनऊ की कमान धुरंधर बल्लेबाज के एल राहुल के हाथों में है। राहुल हालांकि गुजरात के खिलाफ खाता भी नहीं खोल पाए थे लेकिन चेन्नई के कप्तान रविंद्र जडेजा को मालूम है कि एक बार लय पकड़ पाने के बाद राहुल को रोकना मुश्किल है। राहुल ने बीते सीजन में 626 रन बनाए थे। इसके अलावा 2020 में 670, 2019 में 593 और 2018 में 659 रन बनाए थे। यानी बीते चार सीजन में वह तीन बार छह सौ से ज्यादा रन बना चुके हैं। और एक बार सिर्फ सात रन से ही पीछे रहे थे। राहुल की फॉर्म जडेजा को चिंता में डाल सकती है।

केएल राहुल के साथ खासियत यह है कि वह परंपरागत शॉट खेलते हुए भी तेजी से रन बना सकते हैं। इसके अलावा इनोवेशन में भी उनका कोई जवाब नहीं। राहुल को जो बात सबसे ज्यादा खतरनाक बनाती है वह उनके सिक्स मारने की काबिलियत। यह बात शायद आपको हैरान करे लेकिन बीते चार सीजन में आईपीएल में सबसे ज्यादा सिक्स मारने वाले बल्लेबाज न तो कायरन पोलार्ड हैं, न आंद्रे रसल और न ही रोहित शर्मा। इस सूची में सबसे ऊपर नाम आता है केएल राहुल का। पंजाब किंग्स के इस पूर्व कप्तान ने 56 पारियों में 110 छक्के लगाए हैं।

यानी हर पारी में लगभग दो सिक्स। यह अपने आप में यह बताने के लिए काफी है कि जडेजा ऐंड कंपनी के लिए इस सलामी बल्लेबाज पर जल्द लगाम लगाना कितना जरूरी है। और जडेजा यह काम खुद बहुत अच्छा कर चुके हैं। उन्होंने हालांकि राहुल को टी20 क्रिकेट में कभी आउट नहीं किया है लेकिन राहुल के लिए जडेजा की गेंदबाजी पर रन बनाना कभी आसान नहीं रहा है। उन्होंने सभी टी20 में जडेजा की 38 गेंदों का सामना किया है और उन पर सिर्फ 39 रन बनाए हैं।

इंग्लिश टीम ने 8वीं बार बनाई वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह

इन्दौर । इंग्लैंड की टीम महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गई है। क्राइस्टचर्च में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड की टीम ने साउथ अफ्रीका को 137 रनों से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही अफ्रीकी टीम एक बार फिर से फाइनल में जगह बनाने से चूक गई है। साउथ अफ्रीकी टीम पुरुष और महिला वर्ग में आज तक टी-20 और वनडे के फाइनल में नहीं पहुंच पाई है। फाइनल में इंग्लैंड का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के साथ होगा। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराकर पहले ही फाइनल में जगह बना चुकी है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 293 रन का स्कोर खड़ा किया। टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने 38 ओवर में 156 रन ही बना सकी। इससे पहले टास हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इंग्लैंड का पहला विकेट 10 रन पर ही गिर गया। वही इंग्लैंड की तरफ से डैनी वायट ने शतकीय पारी खेली। उन्होंने 125 गेंदों में 12 चौकों के साथ 129 रन बनाए। उनका वर्ल्ड कप में पहला और वनडे में दूसरा शतक है। वहीं सोफिया डंकली ने 60 रन बनाए। इन दोनों खिलाड़ियों की बदौलत इंग्लैंड का स्कोर 293 तक पहुंच पाया। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से शबनीम इस्माइल ने अच्छी गेंदबाजी की और 46 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इस्माइल के अलावा काप और मसाबता क्लास ने 2-2 विकेट अर्जित किए। इंग्लैंड की तरफ से सोफी एक्लेस्टोन ने 8 ओवरों में 36 रन खर्च कर सबसे ज्यादा 6 विकेट हासिल किए। इंग्लैंड की तरफ से सोफी एक्लेस्टोन ने 8 ओवरों में 36 रन खर्च कर सबसे ज्यादा 6 विकेट हासिल किए। वहीं टारगेट का पीछा करने उतरी अफ्रीकी टीम 38 ओवर में 156 रनों पर ही सिमट गई। साउथ अफ्रीकी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 1 रन पर ही लौरा वोलवार्ड बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गई। वहीं 8 रन पर लिजेल ली 2 रन बनाकर लौट गईं। पवेलियन लौट गई। वहीं 8 रन पर लिजेल ली 2 रन बनाकर लौट गईं। अफ्रीका की ओर से मिग्नोन डू प्रीज ने 48 गेंदों पर सबसे ज्यादा 30 रन बनाईं। वहीं इंग्लैंड की तरफ से सोफी एक्लेस्टोन ने 8 ओवरों में 36 रन खर्च कर सबसे ज्यादा 6 विकेट हासिल किए।

आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन से टीम इंडिया में जगह बना सकते हैं हार्दिक : गावस्कर

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर और महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर के अनुसार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर कई खिलाड़ी आगामी टी20 विश्व कप क्रिकेट मुकाबले के लिए अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं। गावस्कर के अनुसार गुजरात टाइटंस टीम की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या के पास भी आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर टीम इंडिया में वापसी का अच्छा अवसर है पर इसके लिए उन्हें बल्लेबाजी के अलावा गेंदबाजी भी करनी होगी। पांड्या पिछले साल टी20 विश्व कप में अपनी टीम मुम्बई इंडियंस के बाहर होने के कारण ज्यादा नहीं खेल पाये थे। तब उन्होंने गेंदबाजी नहीं की थी। इसलिए उन्हें टीम इंडिया में भी जगह नहीं मिली। गावस्कर का अनुमान है कि यदि इस बार पांड्या अच्छी गेंदबाजी करते हैं तो उन्हें टीम में जगह मिल सकती है। हार्दिक को पिछले आईपीएल के बाद से ही गेंदबाजी न कर पाने ओर खराब फिटनेस के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया है। इस बार मामला अलग है। गुजरात टाइटन की लखनऊ सुपर जायंट्स पर 5 विकेट से जीत के दौरान इस ऑलराउंडर ने तेज गेंदबाजी करते हुए अपने चार ओवरों का कोटा भी पूरा किया था। हार्दिक इस सत्र में टाइटंस की अगुवाई कर रहे हैं और उनके पास निश्चित रूप से अपने को साबित करने का अवसर है। पूर्व कप्तान ने कहा कि हार्दिक ने 4 ओवरों में 37 रन दिए और इस दौरान वह अकसर 140-किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंक रहे थे। उन्होंने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 28 गेंदों में 33 रन भी बनाए।

बीसीसीआई ने आईपीएल मीडिया अधिकारों के लिए 33 हजार करोड़ रुपए आधार मूल्य निर्धारित किया

नई दिल्ली ।

क्रिकेट की शीर्ष संस्था भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के मीडिया अधिकारों के लिए 33,000 करोड़ रुपए का आधार मूल्य निर्धारित किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई मीडिया अधिकारों के लिए एक गैर-अनन्य क्लस्टर सहित चार बंडल तैयार कर रहा है। बीसीसीआई ने बेशक आगे चल कर आईपीएल मैचों की संख्या बढ़ाने का विकल्प रखा है, लेकिन टेंडर के लिए आमंत्र (आईटीटी) दस्तावेज, जिसे बीसीसीआई ने बुधवार से बिक्री के लिए उपलब्ध किया है, 10 टीमों के 74 मैचों के मौजूदा प्रारूप के आधार पर विभिन्न बंडलों की कीमत आरक्षित रखेगा। रिपोर्ट के अनुसार इस बार समग्र बोली का कोई विकल्प नहीं है जिसके माध्यम से स्टार स्पोर्ट्स ने मौजूदा 2018-2022 चक्र के मीडिया अधिकार हासिल किए थे। बीसीसीआई द्वारा जारी आईटीटी के मुताबिक बंडल ए भारतीय उपमहाद्वीप के टेलीविजन अधिकारों के लिए है और सिर्फ भारतीय उपमहाद्वीप में प्रसारण के लिए बीसीसीआई को 49 करोड़ रुपए प्रति मैच मिलेंगे। यानी कुल मिलाकर पांच साल तक इससे लगभग 18,130 करोड़ रुपए मिलेंगे। बंडल बी डिजिटल अधिकारों के लिए है, जिसका आधार मूल्य 33 करोड़ रुपए प्रति मैच रखा गया है। बीसीसीआई को इससे पांच सालों तक 12,210 करोड़ रुपए आएंगे। वहीं बहुचर्चित विशेष पैकेज बंडल सी है, जिसमें 18 मैचों के लिए एक अलग प्रसारण खिड़की बनाई गई है, जिससे 16 करोड़ रुपए प्रति मैच की कमाई होगी। इसमें टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच, डबल हेडर मुकाबले और प्लेऑफ मुकाबले शामिल हैं। इन मैचों का प्रसारण सिर्फ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगा। प्रति सीजन 74 मैचों और पांच साल के हिसाब से इस बंडल से बीसीसीआई को 1440 करोड़ रुपए की कमाई होगी। टेंडर में चौथा और आखिरी बंडल वैश्विक प्रसारण के लिए है, जिसकी कीमत तीन करोड़ रुपए प्रति मैच की रहेगी। सभी बंडल को मिलाएं तो इसका आधार मूल्य कुल 32890 करोड़ रुपए हो जाता है।

कतर में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर दोहा 2022 में दक्षिण कोरिया के जू चोंहुई के खिलाफ ब्राजील की ब्रूना ताकाहाशी शॉट लगातीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

विश्व में घट रहे कोरोना के केस, पर मौतों में 40 फीसदी का इजाफा : डब्ल्यूएचओ रिपोर्ट

जिनेवा ।

महामारी कोरोना का संक्रमण लगातार वैश्विक स्तर पर लगातार घट रहा है। पिछले सप्ताह कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों में गिरावट देखी गई जबकि संक्रमण से मौत के मामलों में 40 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की जारी ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। महामारी को लेकर अपनी साप्ताहिक रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि डब्ल्यूएचओ के पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र, जहां दिसंबर अंत से मामलों में वृद्धि देखी जा रही थी, समेत हर जगह पर संक्रमण के नए मामलों में कमी दर्ज की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह दुनियाभर में कोविड-19 के करीब एक करोड़ नए मामले सामने आए और 45,000 मरीजों ने दम तोड़ दिया। हालांकि, इससे पिछले सप्ताह मौत के मामलों में 23 फीसदी की कमी दर्ज की गई थी। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, पिछले सप्ताह कोविड-19 मरीजों की मौत के मामलों में वृद्धि का कारण चिली और अमेरिका में इस तरह के मामलों को दर्ज करने की प्रक्रिया में बदलाव होना रहा। इसके अलावा, भारत के महाराष्ट्र में 4,000 से अधिक मौत के मामलों को जोड़े जाने से भी मृतक संख्या में वृद्धि दर्ज की गई क्योंकि पहले इस संख्या को कोविड-19 मौत की श्रेणी में नहीं रखा गया था। दूसरी ओर यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने 50 से अधिक उम्र के लोगों और कुछ इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड व्यक्तियों के लिए फाइजर-बायोएनटेक या मॉडर्ना के पांचवें कोविड-19 बूस्टर शॉट को मंजूरी दी है। पांचवां बूस्टर किसी भी अधिकृत या स्वीकृत कोविड वैक्सीन की चौथी बूस्टर खुराक मिलने के कम से कम 4 महीने बाद 50 वर्ष या उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों को दिया जा सकता है।

अमेरिका ने चेताया- रूस से तेल खरीद बढ़ाने का भारत को भरना पड़ सकता है भारी खमियाजा

वॉशिंगटन ।

रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच अमेरिका ने रूस पर 5,000 से ज्यादा छोटे-बड़े प्रतिबंध लगाएं हैं। इसमें तेल की खरीद भी शामिल हैं। अमेरिका के प्रतिबंधों के बाद भी रूस ने भारत को सस्ते कच्चे तेल का ऑफर दिया है, जिसे भारत लगभग स्वीकार करने की स्थिति में है। भारत का ये कदम कूटनीतिक रूप से अमेरिका के लिए एक झटका है। ऐसे में अमेरिका ने भारत के चेताया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि भारत को रूस से तेल का आयात बढ़ाने के कारण 'बड़े खतरे' का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि अमेरिका रूस पर लगे प्रतिबंधों को लागू करवाने में ज्यादा सख्ती बरतने के लिए कदम उठा रहा है। अमेरिकी अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया, अमेरिका को इस बात से कोई आपत्ति नहीं है कि भारत रूस से तेल खरीदे। बशर्ते वह इसे डिस्काउंट पर खरीद रहा है। आयात पिछले सालों के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ा नहीं रहा है। आयात का थोड़ा बहुत बढ़ना ठीक है। अधिकारी ने आगे कहा, 'अमेरिका ने रूस पर फिलहाल जो प्रतिबंध लगाए हैं, वे किसी देश को रूस से तेल खरीदने से नहीं रोकते। लेकिन ऐसे संकेत हैं कि अमेरिका अन्य देशों को पाबंदियों के दायरे में ला सकता है, ताकि रूस को मिलने वाली मदद बंद की जा सके। अमेरिकी अधिकारी का ये बयान ऐसे समय में आया है, जब रूस के विदेश मंत्री सर्गई लावरोव भारत दौरे पर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के आर्थिक सुरक्षा मामलों के उप सलाहकार दलीप सिंह भी भारत दौरे पर आने की बात कह चुके हैं।

बुधवार को जर्मनी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने भारत का दौरा किया था और गुरुवार को ब्रिटिश विदेश मंत्री भारत पहुंच रही हैं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता है। यूक्रेन पर हमले के बाद भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ा दिया है। 24 फरवरी के बाद से ही भारत ने 1.3 करोड़ बैरल तेल खरीदा है, जबकि पिछले पूरे साल में उसका रूस से तेल आयात 1.6 करोड़ बैरल था।

व्हाइट हाउस बोला- रूस के 'अनुचित युद्ध' के परिणाम पर भारत के साथ विचार विमर्श करेंगे दलीप सिंह

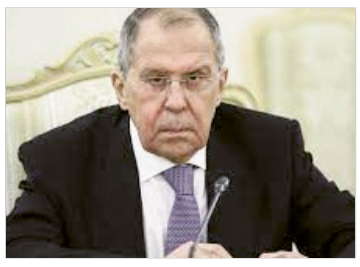

वॉशिंगटन ।

वरिष्ठ अमेरिकी-भारतीय सलाहकार और मॉस्को के खिलाफ वॉशिंगटन की ओर से दंडात्मक आर्थिक प्रतिबंध लगाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करने वाले दलीप सिंह यूक्रेन के खिलाफ रूस के 'अनुचित युद्ध' के 'नतीजों' पर भारत से गहन परामर्श करेंगे। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र के लिए उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सिंह ने नई दिल्ली में बैठकें कीं और गुरुवार को भी उनकी भारतीय समकक्षों के साथ बातचीत जारी रखने का कार्यक्रम है। व्हाइट हाउस की संचार निदेशक केट बेडिंगफील्ड ने अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, 'वह स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत और समावेशी आर्थिक विकास एवं समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सहयोग मजबूत करने के वास्ते भारत सरकार से मुलाकात करेंगे।

वह यूक्रेन के खिलाफ रूस के अनुचित युद्ध के नतीजों और वैश्विक युद्ध के नतीजों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका असर कम करने पर समकक्षों के साथ करीबी परामर्श करेंगे।' सिंह (46) अमेरिकी कांग्रेस में निर्वाचित पहले एशियाई अमेरिकी दलीप सिंह सौंद के परपौत्र हैं। उन्होंने मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और हार्वर्ड केनेडी स्कूल से अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र में जन प्रशासन और कारोबारी प्रशासन में मास्टर डिग्री हासिल की है।

अपनी सेना की ओर से गुमराह किया हुआ महसूस कर रहे हैं रूसी: व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन ।

अमेरिका को खबर मिली है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपनी सेना द्वारा गुमराह किया हुआ महसूस कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यूक्रेन युद्ध एक रणनीतिक भूल है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केट बेडिंगफील्ड ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मैं यह कह सकती हूं कि, निश्चित रूप से, हमारे पास जानकारी है कि पुतिन रूसी सेना द्वारा गुमराह किया हुआ महसूस कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप पुतिन और उनके सैन्य नेतृत्व के बीच लगातार तनाव बना हुआ है।' उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि पुतिन को उनके सलाहकारों द्वारा इस संबंध में गलत सूचना दी जा रही है कि रूसी सेना कितना खराब प्रदर्शन कर रही है और रूसी अर्थव्यवस्था को प्रतिबंधों से कैसे पंगु बनाया जा रहा है, क्योंकि उनके वरिष्ठ सलाहकार उन्हें सच बताने से बहुत डरते हैं।' बेडिंगफील्ड ने कहा, 'इसलिए, यह तेजी से स्पष्ट वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका को खबर मिली है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपनी सेना द्वारा गुमराह किया हुआ महसूस कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यूक्रेन युद्ध एक रणनीतिक भूल है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केट बेडिंगफील्ड ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मैं यह कह सकती हूं कि, निश्चित रूप से, हमारे पास जानकारी है कि पुतिन रूसी सेना द्वारा गुमराह किया हुआ महसूस कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप पुतिन और उनके सैन्य नेतृत्व के बीच लगातार तनाव बना हुआ है। उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि पुतिन को उनके सलाहकारों द्वारा इस संबंध में गलत सूचना दी जा रही है कि रूसी सेना कितना रूसी अर्थव्यवस्था को प्रतिबंधों से कैसे पंगु बनाया जा रहा है ।

संक्षिप्त समाचार

चीन के 31 प्रांतों में पहुंचा कोरोना, ड्रैगन की जीरो कोविड पॉलिसी फेल

बीजिंग । चीन में कोरोना दो साल में पहली बार सभी 31 प्रांतों में फैल गया है। इसके बाद चीन ने कोरोना पर काबू के लिए जिस जीरो कोविड पॉलिसी को अमल में लाया था, वहां फेल साबित हो रही है। कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के संक्रमितों का आंकड़ा 62 हजार केस के पार पहुंच गया है। इसके बाद आर्थिक राजधानी शंघाई सहित 5 शहरों में लॉकडाउन लगा है। चीन के लगभग 12 हजार सरकारी अस्पतालों में नए मरीजों को भर्ती करने की जगह नहीं है। चीन ने कोरोना की पहली लहर के दौरान सख्त लॉकडाउन का नियम बनाया था। इसके तहत एक भी केस आने पर पूरे शहर में लॉकडाउन लगा दिया जाता था। इसके बाद उसके चिकित्सा ढांचे पर काफी असर पड़ा। चीन के बड़े व्यावसायिक हब शंघाई में अगले शुक्रवार तक पूर्ण लॉकडाउन लगाया गया है। बैंकिंग और अन्य गतिविधियां बाधित नहीं हों, इसके लिए शंघाई के लगभग 20 हजार बैकर्स दफ्तरों में रह रहे हैं। यहीं सो रहे हैं। सरकार की ओर से उनके खाने का इंतजाम किया गया है। चीन दुनिया के सर्वाधिक टीकाकरण वाले देशों में शामिल है। चीन में 88 प्रतिशत से अधिक आबादी को कोरोना वैक्सीन की डबल डोज लग चुकी है, लेकिन इसके बावजूद चीन के बुजुर्गों यानी 60 साल से अधिक आयु के लोगों में से मात्र 52 प्रतिशत को ही डबल डोज लगी है। इंडियन कार्उंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) एक्सपर्ट डॉ. आर आर गंगाखेड़कर ने बताया कि वायरस जितना ज्यादा म्यूटेशन करता है, खतरा उतना ही बढ़ता है। उन्होंने बताया कि चीन में कोविड का आउटब्रेक भारत को भी नुकसान पहुंचा सकता है। इसकारण वहां की कोरोना स्थिति पर नजर रखने की जरूरत है। साथ ही चीन व अन्य देशों में फैल रहे कोरोना से भारत को होने वाले खतरे पर कई एक्सपर्ट्स अपनी राय दे चुके हैं और अधिकतर का यही मानना है कि भारत को भी सतर्क रहना चाहिए।

14 अप्रैल को 'राष्ट्रीय सिख दिवस' घोषित करने के लिए अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्ताव पेश

वॉशिंगटन । अमेरिका की राजनीति में भारतीय सिखों का लगातार वर्चस्व बढ़ रहा है। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति सहित 12 से अधिक सांसदों ने 14 अप्रैल को 'राष्ट्रीय सिख दिवस' घोषित करने को लेकर प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया है। अमेरिका के विकास में सिख समुदाय के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हुए प्रस्ताव में अमेरिका को सशक्त बनाने और यहां के नागरिकों को प्रेरित करने में सिख समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के तौर पर 'राष्ट्रीय सिख दिवस' घोषित करने का समर्थन किया गया है। सांसद मैरी गेल सानलोन 28 मार्च को सदन में पेश किये गये प्रस्ताव की प्रस्तावक हैं, सानलोन 28 मार्च को सदन में पेश किये गये प्रस्ताव की प्रस्तावक हैं, सानलोन 28 मार्च को सदन में पेश किये गये प्रस्ताव की प्रस्तावक हैं, जबकि केरेन बास, पॉल टोंको, ब्रायन के. फित्ज़पैट्रिक, डेनियल म्यूज़र, एरिक स्वालवेल, राजा कृष्णमूर्ति, डोनाल्ड नॉरक्रॉस, एंडी किम, जॉन गारामेंडी, रिचर्ड ई नील, ब्रेंडन एफ। बॉयले और डेविड जी वालादाओ इसके सह-प्रस्तावक हैं। सिख कॉकस कमेटी, सिख को-ऑर्डिनेशन कमेटी और अमेरिकन सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एजीपीसी) ने प्रस्ताव का स्वागत किया है।

श्रीलंका में हालात बहुत खराब, चीन,दुध, चावल की कमी, दवाईयों की कमी से सर्जरी रोकी गई

कोलंबो ।

श्रीलंका में अभी तक का सबसे बड़ा पावर कट शुरू हो गया है। आजादी के बाद अब तक के सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में प्रतिदिन 10 घंटे की बिजली कटौती की शुरुआत हो गई है। देश में पेट्रोलियम ईंधन की भारी कमी है, इसकारण बिजली का उत्पादन काफी कम हो गया है। देश में खाने-पीने का सभी जरूरी सामानों की भारी कमी है, इससे गुस्साए लोग गोटाबाया राजपक्षे सरकार पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। यही हाल दवा की दुकानों और अस्पतालों का भी है। दवाओं की कमी के चलते सर्जरी रोकी जा रही है, जिससे कई मरीजों की जान जाने का खतरा भी बढ़ गया है। श्रीलंका के बिजली बोर्ड ने कहा कि महीने की शुरुआत से सात घंटे की जो बिजली काटी जा रही थी, अब उस 10 घंटे किया जा रहा है क्योंकि बिजली उत्पादन के लिए ईंधन नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीलंका की 40 प्रतिशत से अधिक बिजली हाइड्रोपावर से पैदा होती है। ईंधन की कमी है, साथ ही बारिश न होने से अधिकांश नदियों और जलाशयों में पानी नहीं है जिस कारण बिजली पैदा करना और कठिन हो रहा है। श्रीलंका में अधिकांश बिजली उत्पादन कोयले और तेल से होता है। इन दोनों ही चीजों के लिए श्रीलंका आयात पर निर्भर है।लेकिन देश का विदेशी मुद्रा भंडार खाली है, इस कारण सभी जरूरी चीजों के साथ-साथ इनका आयात भी नहीं हो पा रहा है। इस बीच सरकार के स्वामित्व वाली खुदरा ईंधन विक्रेता कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने कहा कि देश में कम से कम दो दिनों तक डीजल नहीं रहेगा। सीपीसी ने पेट्रोल स्टेशनों पर लंबी कतारों में तेल का इंतजार कर रहे वाहन चालकों से कहा है कि वहां अपने घरों को लौट जाएं और ईंधन की आपूर्ति होने के बाद यहां आएं। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी साल की शुरूआत से ही भारी वृद्धि हुई है।

यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान अमेरिकी मीडिया ने भारत पर अमेरिकी सरकार की नीति का किया पालन

वॉशिंगटन।

यूक्रेन पर रूस के हमले के दौरान अमेरिकी नीति का समर्थन ना करने को लेकर भारत, अमेरिका की मुख्यधारा मीडिया के निशाने पर आ गया है, लेकिन यह कोई नई बात नहीं है। इस संदर्भ में शीत युद्ध के दौरान मीडिया की खबरों पर किए एक शोध में पता चला है कि उस समय भी अमेरिकी मीडिया ने भारत पर अमेरिकी सरकार की आधिकारिक नीति का मोटे तौर पर पालन किया था। 'यूएस नेशनल इंटरेस्ट एंड फ्रेमिंग इंडिया इन द यूएस प्रेस ड्यूरिंग एंड ऑफटर द कोल्ड वॉर' नामक एक शोध में भारत पर 48 वर्षों के 'अमेरिकी मीडिया कवरेज' में पाया गया कि अमेरिकी सरकार तथा प्रेस ने सोवियत संघ के साथ भारत की निकटता का विरोध किया था। इस शोध को हाल ही में 'द जनरल ऑफ इंटरनेशनल कम्युनिकेशन' में प्रकाशित किया गया था। अमेरिका में पार्क विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर अभिजीत मजूमदार द्वारा दो साल तक इस संबंध में शोध किया गया। इसमें प्रोफेसर ने भारत के बारे में प्रकाशित सैकड़ों समाचार लेखों का अध्ययन किया। अभिजीत मजूमदार ने कहा, 'अगर कोई शीतयुद्ध के दौरान अमेरिकी मीडिया की खबरों को देखेगा, तो पाएगा कि वे कितनी हद तक भारत-विरोधी थीं।' उन्होंने कहा कि अमेरिकी मीडिया की खबरों में भारत को अमेरिकी सरकार की नीतियों के हिसाब से पेश किया गया। अमेरिकी विदेश नीति का अमेरिकी मीडिया की अंतरराष्ट्रीय खबरों में काफी असर था। उन्होंने कहा, 'शोध में पाया गया कि अमेरिकी प्रेस ने शीतयुद्ध के दौरान भारत को राष्ट्र के रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में दिखाया, लेकिन उन्हीं मीडिया घरानों ने अमेरिकी विदेश नीति के अनुरूप शीत युद्ध के बाद भारत को अमेरिका के सहयोगी के रूप में प्रस्तुत किया।' शोध इस तथ्य को उजागर करता है कि अमेरिकी मीडिया ने शीतयुद्ध के दौरान और बाद में अमेरिकी सरकार की नीतियों के अनुसार भारत की छवि बनाने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, 'पत्रकारिता के निष्पक्षता के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, यह अध्ययन अनुशंसा करता है कि अमेरिकी मीडिया को अपनी खबरों में उन विचारों को भी शामिल करने का प्रयास करना चाहिए, जिनका अमेरिकी प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों द्वारा समर्थन नहीं किया जाता। ऐसा करने से, अमेरिकी प्रेस को अधिक निष्पक्षता मिलेगी और खबरों के प्रति लोगों का विश्वास बढेगा।'

सत्ता की पिच पर पाक पीएम इमरान खान के लिए खड़ी हुई कई मुश्किलें

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए सियासी पिच पर खेलना इन दिनों परेशानी भरा साबित हो रहा है। क्रिकेट टीम को बतौर कप्तान 1992 का विश्वकप जिताने वाले इमरान खान के सामने अब सियासी पिच पर अविश्वास प्रस्ताव में जीतने की चुनौती है। 2018 में पाकिस्तान के पीएम बनने वाले इमरान खान के खिलाफ विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है, जिस पर 3 अप्रैल को मतदान होने वाला है। सदन में जीत हासिल करने के लिए इमरान खान को 172 मतों की जरूरत है, जबकि उनके पास फिलहाल 164 वोट ही दिखते हैं। पीएमएल-क्यू ने उनका साथ छोड़ दिया है, जबकि बलूचिस्तान अवाम पार्टी भी उनसे अलग हो चुकी है। ऐसे में इमरान की सियासी पिच पर पारी आगे बढ़ना मुश्किल ही दिखता है। पाकिस्तान की सियासत का यह रिकॉर्ड रहा है कि कोई पीएम अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया है। आइए जानते हैं, कैसे मुश्किल में आते चले गए इमरान खान। नया पाकिस्तान के नारे के साथ सत्ता में आने वाले इमरान खान के दौर में महंगाई अपने चरम पर है। खाने-पीने की चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं, इसके अलावा पेट्रोल और डीजल की भी कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। पाकिस्तान ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स के मुताबिक जनवरी में महंगाई दर 13 फीसदी हो गई थी। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक खाने-पीने की चीजों की महंगाई दोहरे अंकों में है। लेकिन इमरान खान इस पर लगाम लगाने में नाकाम रहे हैं। यहां तक कि पिछले दिनों तो उन्होंने यह भी कह दिया मैं आलू और टमाटर के दामों को जानने के लिए पीएम नहीं बना हूं। मैंने देश के युवाओं का भविष्य सुधारने के लिए कमान संभाली है। इमरान खान जब सत्ता में आए थे तो कहा जा रहा था कि इसके पीछे सेना का समर्थन है।

जनरल बाजवा ने प्रधानमंत्री को इस्तीफा देने को नहीं कहा: चौधरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने सेना प्रमुख द्वारा प्रधानमंत्री इमरान खान को इस्तीफा देने के लिए कहने संबंधी खबरों को खारिज कर दिया है। चौधरी ने सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और इमरान खान के बीच हुई मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा कि दोनों के बीच ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई। पाकिस्तानी सूचना मंत्री ने जनरल बाजवा और इमरान खान के बीच हुई बैठक की पुष्टि करते हुए कहा, न तो सेना प्रमुख ने उनका इस्तीफा मांगा है और न ही वह इस्तीफा देंगे। हालांकि, चौधरी ने इस बैठक के बारे में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया।

यूक्रेन को 50 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त मदद देगा अमेरिका

वाशिंगटन । अमेरिका ने रूसी सेना के हमलों का सामना कर रहे यूक्रेन को 50 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त मदद देने की घोषणा की है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से 55 मिनट तक फोन पर बातचीत की। इस दौरान बाइडन ने उनसे कहा कि (यूक्रेन को) अतिरिक्त मदद जल्द पहुंचायी जाएगी। व्हाइट हाउस के अनुसार, दोनों नेताओं ने यूक्रेन को पहले से दी जा रही सुरक्षा सहायता और हालात के बारे में चर्चा की। जेलेंस्की ने बाइडन प्रशासन और अन्य पश्चिमी देशों से यूक्रेन को सैन्य लड़ाकू विमान प्रदान करने का आग्रह किया है। हालांकि, अमेरिका और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के अन्य देश अब तक उस अनुरोध को स्वीकार करने के इच्छुक नहीं हैं क्योंकि इससे युद्ध का दायरा और फैल सकता है।

कुछ रूसी सैनिकों की वापसी है कोई रणनीति: जॉन किर्बी

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने कहा कि पिछले 24 घंटे में कीव के आसपास के इलाके में तैनात कुछ रूसी सैनिक उत्तर की ओर या बेलारूस की तरफ जाते हुए दिखे हैं। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका इसे रूसी सेना की मौजूदगी में कमी के तौर पर नहीं देखता, बल्कि रूस अपने सैनिकों को नए सिरे से अन्य स्थानों पर तैनाती की रणनीति अपना रहा है। सिरे से अन्य स्थानों पर तैनाती की रणनीति अपना रहा है। सिरे से अन्य स्थानों पर तैनाती की रणनीति अपना रहा है। उन्होंने कहा, ''हमें यह नहीं पता कि ये सैनिक कहां जा रहे हैं।'' हालांकि, किर्बी ने कहा कि रूस ने डोनबास क्षेत्र को प्राथमिकता देने की बात कही है। किर्बी ने यह भी कहा कि अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और थल सेना प्रमुख मार्क मिली अपने रूसी समकक्षों से बात करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन वे बातचीत के लिए इच्छुक नहीं हैं।

संकट में इमरान खान सरकार, करीब दो दर्जन सांसदों ने की बगावत

पाक के किसी प्रधानमंत्री ने अब तक पूरा नहीं किया है कार्यकाल

इस्लामाबाद।

लोकतंत्र के तहत, सरकार और सत्ता लोगों के वोटों के विजेता के पास जाती है। यह पाकिस्तान था जहां अलग-अलग नियम कानूनों के कारण लोकतंत्र से चुनी हुई सरकारर भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाती है। पाकिस्तान की इमरान खान सरकार संकट में हैं। इमरान खान (69) की पार्टी पीटीआई के सदन में 155 सांसद हैं। इमरान को करीब दो दर्जन सांसदों की बगावत और सहयोगी दलों की चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान के इतिहास में अब तक किसी भी प्रधानमंत्री को अविश्वास प्रस्ताव के जरिये नहीं हटाया गया है, लेकिन इस चुनौती का सामना करने वाले इमरान खान तीसरे प्रधानमंत्री हैं। इससे पहले इमरान खान ने अपनी पार्टी के सदस्यों को सख्त निर्देश दिया कि वह अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान के दिन या तो सदन में अनुपस्थित रहें या फिर मतदान में भाग नहीं लें। अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान अप्रैल के पहले हफ्ते में होने की संभावना है। वर्ष 2018 में नया पाकिस्तान' बनाने का वादा करके इमरान सत्ता में आये, लेकिन बेलगाम महंगाई पर नियंत्रण पाने में सरकार की विफलता ने विपक्ष को सरकार के खिलाफ एक मौका दे दिया। पाकिस्तान में अब तक कोई प्रधानमंत्री पांच साल का कार्यकाल नहीं पूरा कर सका है। अब तक 19 लोग पाकिस्तान में प्रधानमंत्री कार्यालय जा चुके हैं और कोई भी अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सका। हत्याएं, मनमानी बर्खास्तगी, मार्शल लॉ और अविश्वास-वोट, भारत के पड़ोसी देश का लोकतांत्रिक इतिहास अपने प्रधान मंत्री कार्यकाल के दृष्टिकोण से ऐसा दिखता है।

लियाकत अली खान (1947-1951)- पाक पीएम लियाक़त अली खान की अक्टूबर 1951 में हत्या कर दी गयी थी, ख्वाजा नजीमुद्दीन (1951-1953)- पाकिस्तान सरकार को गवर्नर जनरल द्वारा भंग कर दिया गया था, मोहम्मद अली बोगरा (1953-1955)- गवर्नर जनरल द्वारा भंग की गई सरकार, चौधरी मोहम्मद अली (1955-1956)- चौधरी मोहम्मद अली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया, हुसैन शहीद सुहरावर्दी (1956-1957)- हुसैन शहीद सुहरावर्दी ने अपने पद इस्तीफा दे दिया, इब्राहिम इस्माइल चुंदरीगर (1957)- इब्राहिम इस्माइल को अविश्वास प्रस्ताव से हटाया गया, फ़िरोज़ खान नून (1957-1958)- राष्ट्रपति द्वारा मार्शल लॉ लागू करने के बाद सरकार गिर गई, जनरल अयूब खान के नेतृत्व में पाकिस्तान में 1958-1971 मार्शल लॉ लागू हुआ। उन्होंने प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति के कार्यालयों दोनों को मिला दिया और राज्य और सरकार दोनों के प्रमुख बन गए। नूरुल अमीन (1971): भारत-पाक युद्ध और बांग्लादेश के गठन के बाद इस्तीफा दे दिया, 1971-1973 में जुल्फिकार अली भुट्टो ने नए संविधान की घोषणा करते हुए राष्ट्रपति के रूप उल हक द्वारा सैन्य तख्तापलट में हटाया गया, 1977-1985: जनरल जिया उल हक ने प्रधान मंत्री का पद समाप्त कर दिया, मोहम्मद खान जुनेजो (1985-1988): जनरल जिया उल हक द्वारा बर्खास्त, बेनजीर भुट्टो (1988-1990) राष्ट्रपति गुलाम इशाक खान द्वारा बर्खास्त।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार की सियासत में ट्विस्ट बीजेपी बना सकती है अपना मुख्यमंत्री

नई दिल्ली ।

नीतीश कुमार बिहार में मुख्यमंत्री का पद छोड़ दिल्ली जाना चाहते हैं? राज्य सभा के सदस्य बनना चाहते हैं? हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि 30 मार्च को बिहार विधानसभा में अपने चेंबर में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने जो भी कहा उससे यही झलक रहा है। नीतीश विधायक, लोकसभा सांसद, केंद्र सरकार में मंत्री, बिहार विधान परिषद के सदस्य रह चुके हैं। अभी भी एमएलसी हैं। नीतीश को लगता है कि उनको अगर एक बार राज्यसभा की सदस्यता मिल जाए तो उनका सियासी जीवन पूरा हो जाएगा। अपने पुराने संसदीय क्षेत्र नालंदा का दौरा कर रहे हैं। पुराने संसदीय क्षेत्र बाढ़ को जिला बनाने की बात की है। वहां से कई बार सांसद रह चुके हैं तो क्या फिर से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे? इसपर उन्होंने कहा कि यह मेरा बिलकुल निजी दौरा है। 2 साल तक कोरोना काल के कारण मैं नहीं जा पाया था। इसलिए वहां जा रहा हूं। लोगों से मिल रहा हूं। समस्याएं सुन रहा हूं। लोकसभा चुनाव लड़ने का इरादा नहीं है। इस दौरान नीतीश ने कहा कि अब तक वह राज्य सभा के सदस्य नहीं बने हैं। उनकी इसी बात से लगा कि राज्यसभा जाना चाहते हैं। साथ में नीतीश ने यह भी कहा कि वह फिलहाल बिहार की सेवा कर रहे हैं। यहां की जिम्मेदारी उनके पास है। लेकिन नीतीश ने राज्यसभा वाली जो बात कही इसके बाद से सियासी गलियारों में अटकलें लगने लगी हैं कि क्या नीतीश सच में बिहार की बागडोर दूसरे को सौंप राज्यसभा जाना चाहते हैं। नीतीश के उप राष्ट्रपति बनने की चर्चा भी जोरों पर है।चर्चाएं हैं कि बीजेपी उनको उपराष्ट्रपति बनाने का ऑफर देगी तो उनके राज्यसभा जाने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। राज्यसभा के सभापति बन जाएंगे। वैसे भी बिहार के पॉलिटिकल कॉरिडोर्स में चर्चा है कि बिहार में बीजेपी अपना मुख्यमंत्री बनाना चाहती है। वीआईपी के तीन विधायक बीजेपी में शामिल हो गए हैं। बिहार विधानसभा में 77 विधायकों के साथ बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। बिहार से बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने दावा किया है कि कांग्रेस के 19 में से 13 विधायक बीजेपी के संपर्क में हैं जो जल्द बीजेपी का दामन थामेंगे। बिहार में बीजेपी अपने विधायकों की संख्या को बढ़ा रही है। सवाल उठने लगा है कि क्या मुख्यमंत्री के पद पर उसकी नजर है? वहीं इन अटकलों को हवा बिहार से बीजेपी विधायक विनय बिहारी ने दे दी है। बीजेपी विधायक विनय बिहारी ने कहा है कि बिहार में नीतीश को सीएम पद से हटा देना चाहिये। उन्होंने कहा कि बिहार में बीजेपी का मुख्यमंत्री होना चाहिए। कयास लगने लगे हैं कि क्या बीजेपी नीतीश को उपराष्ट्रपति बनाने का ऑफर देकर बिहार में अपना मुख्यमंत्री बनाना चाहती है? नीतीश ने आज पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में राज्यसभा जाने की इच्छा व्यक्त की है। इन सब से अटकलों का बाजार गर्म है कि क्या नीतीश दिल्ली जाएंगे और बिहार में बीजेपी का मुख्यमंत्री बनेगा? सियासत संभावनाओं का खेल है और नीतीश अपने चौंकाने वाले निर्णय के लिए ही जाने नीतीश कुमार ने पत्रकारों से विधानसभा में अपने चेंबर में अनौपचारिक बातचीत की।

संक्षिप्त समाचार

शरद यादव को दिल्ली का सरकारी बंगला खाली करने के लिए इस तारीख तक दिया समय

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने आरजेडी नेता शरद यादव को दिल्ली का सरकारी बंगला खाली करने के लिए 31 मई तक समय दिया है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने इस महीने के अंत तक उन्हें बंगला खाली करने के लिए कहा था। इस फैसले को खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए शरद यादव ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब शीर्ष अदालत ने ये आदेश जारी किया है। नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू से सांसद चुने गए शरद यादव को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए 2017 में ही राज्यसभा सदस्यता के अयोग्य ठहरा दिया गया था। तब से अब तक शरद यादव हाई कोर्ट के एक अंतरिम आदेश के सहारे केंद्रीय मंत्रियों को मिलने वाले बंगले 7, तुगलक रोड में जमे हैं। हाई कोर्ट ने 15 मार्च को इस आदेश को वापस ले लिया। हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे शरद ने दलील दी है कि राज्यसभा से बाहर किए जाने के खिलाफ उनकी याचिका अभी भी हाई कोर्ट में लंबित है। इस पर 25 अप्रैल को सुनवाई है। उनका कार्यकाल जुलाई में समाप्त हो रहा है। तब तक उन्हें आवास से नहीं निकाला जाना चाहिए। 28 मार्च को शरद यादव की तरफ से कोर्ट में पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा, उनकी तबीयत बहुत खराब है। हर दूसरे दिन उनकी डायलिसिस होती है। कोविड के चलते 22 दिन वेंटिलेटर पर भी रहना पड़ा था।

आंध्र प्रदेश में आदिवासी ही संचालित करेंगे बिजली परियोजना

काकीनाडा । आंध्र प्रदेश में आदिवासी समुदाय ही बिजली परियोजना का संचालन करेगा। 29 मार्च को आदिम जाति कल्याण विभाग के निदेशक वाडरेवु चिन्ना वीरभद्रुडु ने कहा कि आंध्र सरकार जल्द ही रामपचोडावरम एजेंसी को चार आदिवासी बस्तियों के लिए 1.2 मेगावाट की मिनी पनबिजली परियोजना सौंपेगी। राज्य सरकार ने हाल ही में पूर्वी गोदावरी एजेंसी के अड्डतीगला मंडल में भीमुडु पकाला पंचायत में आदिवासी बस्तियों के समूह के लाभ के लिए 6 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित जल विद्युत परियोजना को चालू किया था। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 29 मार्च को श्री वीरभद्रुडु और रामपछोड़वरम एकीकृत आदिवासी विकास एजेंसी परियोजना अधिकारी सीवी प्रवीण आदित्य ने भीमुडु पकालू, चिन्ना अड़तीगलु, कोथापकालु और पिंजारी कोंडा के आदिवासी लोगों के साथ जलविद्युत परियोजना का निरीक्षण किया। इस मौके पर श्री वीरभद्रुडु ने कहा, एपी पावर जनरेशन कॉरपोरेशन एक साल के लिए जलविद्युत परियोजना की निगरानी करेगा। बाद में, परियोजना को चार आदिवासी बस्तियों को सौंप दिया जाएगा। आदिवासियों को बिजली परियोजना के संचालन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार और अधिक मिनी जलविद्युत परियोजनाएं स्थापित करने की तैयारी कर रहा है।

नागालैंड, असम और मणिपुर से एएफएसपीए के तहत अशांत क्षेत्रों को कम करने का फैसला: अमित शाह

नई दिल्ली । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत सरकार ने दशकों बाद नागालैंड, असम और मणिपुर राज्यों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (एएफएसपीए) के तहत अशांत क्षेत्रों को कम करने का फैसला किया है। अमित शाह ने कहा कि एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भारत सरकार ने दशकों बाद नागालैंड, असम और मणिपुर राज्यों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (एएफएसपीए) के तहत अशांत क्षेत्रों को कम करने का निर्णय लिया है। एएफएसपीए के तहत क्षेत्रों में कमी सुरक्षा की स्थिति में सुधार और प्रधानमंत्री द्वारा उत्तर पूर्व में स्थायी शांति लाने और उग्रवाद को समाप्त करने के लिए लगातार प्रयासों और कई समझौतों के कारण तेजी से विकास का परिणाम है। अमित शाह ने कहा कि इसको लेकर पीएम मोदी को धन्यवाद। पीएम मोदी जी की अटूट प्रतिबद्धता, हमारा पूर्वोत्तर क्षेत्र, जो दशकों से उपेक्षित था, अब शांति, समृद्धि और अभूतपूर्व विकास के एक नए युग का गवाह बन रहा है। मैं इस महत्वपूर्ण अवसर पर पूर्वोत्तर के लोगों को बधाई देता हूं।

निर्धारित ड्रेस कोड नहीं मनाने वाली छात्राओं को देश छोड़ देना चाहिए : प्रभाकर

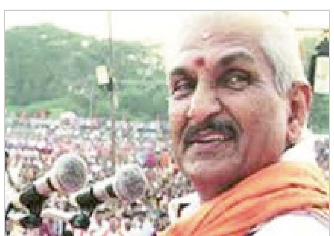

बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता कल्लाडका प्रभाकर भट ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे धर्मनिरपेक्ष देश है, यह शांति और सद्भाव की भूमि है। शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्धारित ड्रेस पहनने से इनकार करने वाले छात्रों की आलोचना प्रभाकर भट ने कहा कि अगर वे यहां के नियमों का पालन नहीं कर सकते हैं,तब उन्हें देश छोड़ देना चाहिए। मैंगलोर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्र परिषद का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि भारत ने सभी को धार्मिक स्वतंत्रता की पेशकश की है, सभी धर्मों के लोगों को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि भारत का एक समृद्ध इतिहास है, मुगल राजा उस इतिहास का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने मुगल बादशाह अकबर के खिलाफ कुछ आलोचनात्मक टिप्पणी भी की। इस बीच कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया (सीएफआई) और स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के सदस्यों ने परिषद के उद्घाटन के लिए भट को परिसर में आमंत्रित करने के लिए विश्वविद्यालय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। दोनों संगठनों के नेताओं ने कहा कि भट को भड़काऊ भाषण देने के लिए जाना जाता है। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के सदस्यों ने परिषद के उद्घाटन के लिए भट को परिसर में आमंत्रित करने के लिए विश्वविद्यालय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। दोनों संगठनों के नेताओं ने कहा कि भट को भड़काऊ भाषण देने के लिए जाना जाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ यदापदित्य ने कहा कि यह पीजी छात्र परिषद थी जिसने भट को आमंत्रित करने का फैसला किया था। विश्वविद्यालय छात्रों के फैसले का विरोध नहीं कर सकता था।

उधमपुर में भूस्खलन- जम्मू-कश्मीर नेशनल हाईवे पर यातायात हुआ बाधित

श्रीनगर ।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में लैंडस्लाइड की घटना से यहां का जनजीवन प्रभावित हो गया। बुधवार रात एक बड़े भूस्खलन की घटना से 270 किलोमीटर लंबा जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात अवरुद्ध हो गया। अधिकारियों ने बताया कि देर रात उधमपुर के समरोली खंड में देवाल पुल के निकट राजमार्ग पर भूस्खलन के बाद मलबा इकट्ठा हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाली का काम तुरंत शुरू कर दिया गया जो प्रगति पर है। रामबन जिला प्रशासन ने कहा कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही फिलहाल निलंबित रहेगी। एक अधिकारी ने कहा कि जम्मू से चेनानी, पटनीटॉप, डोडा, रामबन, गूल, बनिहाल, श्रीनगर के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग के जरिए वाहनों की आवाजाही भी निलंबित रहेगी। जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र ऑल वेदर रोड है। भूस्खलन के चलते जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर यातायात बाधित होने के बाद अधिकारी नाशरी सुरंग इलाके में पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि हाईवे पर बड़ी संख्या में वाहन फंसे हुए हैं। प्रशासन की ओर से यात्रियों को यातायात बहाल होने तक धैर्य रखने की सलाह दी गई है। इससे पहले 3 मार्च और 28 फरवरी को भी लैंडस्लाइड के कारण जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक सस्पेंड करना पड़ा था। बीते डेढ़ महीने में यह तीसरी बार है जब हाईवे पर भूस्खलने के चलते यातायात बाधित हुआ है। ट्रैफिक पुलिस ने कहा, टलोगों से अनुरोध है कि जब तक रास्ता साफ करने का काम पूरा नहीं हो जाता, तब तक इस रास्ते से यात्रा ना करें। वहीं भूस्खलन के बाद हाईवे के दोनों ओर लंबा जाम लग गया है। इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर लैंडस्लाइड के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती रहती है। प्रशासन के मुताबिक 31 मार्च की दोपहर तक रूट क्लियर होने की संभावना है।

सजा काट रहे जेल में बंद कैदियों को भी मिलेगा पर्सनल लोन

मुंबई । गंभीर अपराधों के चलते जेल में बंद किसी आरोपी या सजा काट रहे कैदियों को कोई बैंक कर्ज नहीं देता है। जेल में रहने की वजह से उन कैदियों के परिवार वालों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती है। खासकर तब जब कैदी अपने परिवार में अकेला कमाने वाला होता है। आर्थिक तंगी से जूझ रहे ऐसे कैदी अब पर्सनल लोन सकेंगे, वो भी बिना किसी गारंटर के और कम ब्याज दर पर। भारत में ऐसा पहली बार हो रहा है। महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार ने जेल में बंद कैदियों को लोन देने का फैसला किया है। पुणे की यरवदा जेल में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इस योजना को शुरू किया जाएगा। इसके तहत कैदियों को 50,000 रुपये तक का पर्सनल लोन मिलेगा। महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक इस योजना में 7 प्रतिशत ब्याज दर पर कैदियों लोन देंगे। जेल में किए गए काम के बदले उन्हें ये लोन मिलेगा। महाराष्ट्र सरकार का दावा है कि देश में ऐसा पहली बार हो रहा है जब जेल में बंद कैदियों को लोन की सुविधा दी जा रही है। कैदियों की आमदनी, रोजाना की मजदूरी, सजा अवधि, सजा से संभावित राहत, उम्र आदि के आधार सहकारी बैंक लोन देंगे। इस लोन के लिए किसी गारंटर की जरूरत नहीं पड़ेगी। सिर्फ पर्सनल गारंटी पर लोन दिया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, पुणे की यरवदा जेल के करीब 1,055 कैदी शुरुआत में इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। इनमें से कई कैदी लंबी सजा काट रहे हैं।

गढ़ी धाम नवरात्रि मेले के मद्देनजर कनीनाखास स्टेशन पर ट्रेनें करेंगी हाल्ट

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने मशहूर गढी धाम नवरात्रि मेले के अवसर पर श्रद्धालुओं को सुविधा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से बीकानेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला-बीकानेर एक्सप्रेस ट्रेनों (02 जोड़ी) को कनीनाखास स्टेशन पर 02 मिनट का अस्थाई ठहराव दिया जा रहा है। इस स्टेशन पर ट्रेनों को ठहराव मिलने से श्रद्धालुओं को आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के मुताबिक गढी धाम नवरात्रि मेले के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए बीकानेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला-बीकानेर ट्रेनों का अस्थाई ठहराव दिया जा रहा है। यह ट्रेनें कनीना खास स्टेशन पर 01.04.2022 से 10.04. 2022 तक अस्थाई रूप से ठहराव करेंगी। अप्रेल तक कनीनाखास स्टेशन पर 14.42 बजे आगमन एवं 14.44 बजे प्रस्थान एवं ट्रेन संख्या 22472, दिल्ली सराय रोहिल्ला-बीकानेर एक्सप्रेस 01 से 10 अप्रैल तक कनीनाखास स्टेशन पर 10.37 बजे आगमन एवं 10.39 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेन संख्या 12458, बीकानेर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस 01 से 10 अप्रैल तक कनीनाखास स्टेशन पर 03.32 बजे आगमन एवं 03.34 बजे प्रस्थान एवं ट्रेन संख्या 12457, ।

मम्मी जी के घर से मनमोहन जी के घर तक पदयात्रा करें तब समझ आएगा कि महंगाई क्यों बढ़ी : मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बढ़ती महंगाई के लिए सप्लाई चेन और युद्ध को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि आज महंगाई सप्लाई चेन और युद्ध की वजह से बढ़ी है। यूके में तो 20 प्रतिशत से ज्यादा महंगाई बढ़ी है। इसके साथ ही नकवी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोगों को इतनी मेहनत करने की जरूरत नहीं है। वह अपनी मम्मी जी के घर से मनमोहन जी के घर तक पदयात्रा करें तब उनको समझ आएगा कि महंगाई क्यों बढ़ी थी। दरअसल, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कई अन्य सांसदों ने पार्टी के महंगाई मुक्त भारत अभियान के तहत पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ गुरुवार को संसद के निकट धरना दिया। इस मौके पर राहुल ने कहा कि सरकार को पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों को नियंत्रित करना चाहिए और किसी भी तरह की वृद्धि नहीं करनी चाहिए, क्योंकि महंगाई की सबसे ज्यादा मार गरीबों व मध्य वर्ग के लोगों पर पड़ रही है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं तब हर चीज के दाम बढ़ते हैं। जब दुनिया में कच्चे तेल के दाम सबसे कम थे तब भी यह सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा रही थी। उन्होंने कहा कि 101 रुपये का तेल भराने में 52 रुपये सरकार के पास एक्साइज टैक्स के रूप में जा रहे हैं। वहीं, कांग्रेस के सीनियर नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार जैसे आम लोगों की जेबों में डाका डाल रही है,

उसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 10 दिनों में 9 बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने से मोदी जी ने एक इतिहास बना दिया। 137 दिनों बाद धड़ल्ले से दाम बढ़ रहे हैं। हमारी मांग है कि यह दाम सरकार वापस ले।

2 साल में 40,000 बच्चे हुए यौन शोषण का शिकार, राज्यसभा में उठा मुद्दा

नई दिल्ली ।

देश में बच्चों के साथ दुष्कर्म और यौन शोषण की लगातार बढ़ती घटनाओं का मुद्दा संसद के उच्च सदन राज्यसभा उठा है। बाल शोषण के मामलों पर चिंता जताते हुए द्रमुक नेता तिरुचि शिवा ने राज्यसभा में जोर देकर कहा कि छात्रों और शिक्षकों में इसके लिए जागरूकता पैदा करने के लिए स्कूलों में नियमित तौर पर कार्यशालाओं को आयोजित किया जाना चाहिए। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार 2018 और 2020 के बीच 'यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण' अधिनियम के तहत लगभग 40,000 मामले दर्ज किए गए हैं। द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि ये दर्ज किए गए मामले हैं और काफी मामले ऐसे होते हैं जिनको दर्ज ही नहीं किया जाता है। 2020 में कोविड महामारी की अवधि के दौरान बच्चों के यौन शोषण के मामलों की संख्या में गिरावट आई थी लेकिन अब यह फिर से बढ़ने लगी है। शिवा ने कहा कि 'बच्चे हमारे समाज में बहुत कमजोर हैं। उनके खिलाफ इस तरह का यौन शोषण उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत प्रभावित करता है और कभी-कभी ऐसी दर्दनाक यादें देता है, जो बच्चे अपने पूरे जीवन में भूल नहीं सकते हैं।' एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि ज्यादातर भारतीय स्कूलों में या तो ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है।

अभिनेत्री रिमी सेन से 4.14 करोड़ रुपये धोखाधड़ी, दर्ज कराई एफआईआर

मुंबई ।

बॉलीवुड अभिनेत्री रिमी सेन को 4.14 करोड़ रुपये का बड़ा फटका लगा है। अभिनेत्री ने खार थाने में लिखित शिकायत दी थी, जिसके बाद पुलिस ने 29 मार्च को मामले पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। अभिनेत्री ने गोरेगांव के एक व्यवसायी रौनक जतिन व्यास के खिलाफ निवेश के नाम पर कथित तौर पर 4.14 करोड़ रुपये ठगने के आरोप लगाया है। खार पुलिस ने आईपीसी की धारा 420 और 409 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। एक्ट्रेस ने अपनी लिखित शिकायत में उल्लेख किया कि वह तीन साल पहले अंधेरी के एक जिम में गोरेगॉन निवासी आरोपी रौनक जतिन से मिली थी और दोनों महीनों में दोस्त बन गए। अभिनेत्री ने मामले की जानकारी देते हुए पुलिस को बताया कि जतिन ने दावा किया वह एक व्यवसायी था और एलईडी लाइट्स की एक नई कंपनी खोली थी। इसके बाद उन्होंने सेन को कंपनी में 40 फीसदी रिटर्न के लिए निवेश करने की पेशकश की थी। जब उसने पैसे का निवेश करने का फैसला किया, तो उन्होंने एक समझौता किया था। जब निवेश की समय सीमा खत्म हुई तो अभिनेत्री ने उससे इन्वेस्टमेंट के पैसे मांगे, लेकिन जतिन ने उसकी फोन का उठाने और रिप्लाई करना बंद कर दिया। अभिनेत्री ने अपने स्तर पर जांच शुरू की तो पाया कि जतिन ने ऐसा कोई व्यवसाय शुरू नहीं किया है।

बायोकॉन प्रमुख ने कर्नाटक सीएम से कहा, आईटी-बायोटेक सेक्टर में दांव पर है भारत का वैश्विक नेतृत्व

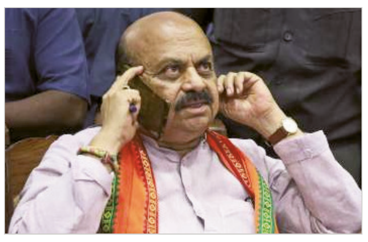

बेंगलुरु ।

कर्नाटक में बढ़ रहे धार्मिक विभाजन की समस्या को लेकर शीर्ष उद्यमियों में चिंता जताई जा रही है। कर्नाटक में मंदिर उत्सवों से मुस्लिम व्यापारियों को बाहर रखने के लिए कट्टर हिंदुत्व समूहों के प्रयासों पर भारत की प्रौद्योगिकी राजधानी में चिंता की पहली महत्वपूर्ण कॉर्पोरेट आवाज उठी है। बायोकॉन लिमिटेड की कार्यकारी अध्यक्ष किरण मजूमदार-शॉ ने मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई से कर्नाटक में बढ़ रहे धार्मिक विभाजन की समस्या को जल्द से जल्द हल करने का आग्रह किया है। उन्होंने चेताया है कि इसकी वजह से तकनीक और बायोटेक के क्षेत्र में देश का वैश्विक नेतृत्व दांव पर है। किरण मजूमदार-शॉ ने एक रिपोर्ट को कोड करते हुए ट्विटर पर लिखा, कर्नाटक ने हमेशा समावेशी आर्थिक विकास किया है और हमें इस तरह के सांप्रदायिक बहिष्कार की अनुमति नहीं देनी चाहिए। अगर आईटी/बीटी (इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और बायोटेक सेक्टर) सेक्टर में सांप्रदायिक आधार पर विभाजन पैदा हो गया तो यह हमारे वैश्विक नेतृत्व को नष्ट कर देगा। आपको बता दें कि शॉ एशिया की प्रमुख बायोफार्मास्युटिकल्स कंपनी बायोकॉन लिमिटेड की प्रमुख हैं। अपने ट्वीट में, शॉ ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को टैग करते हुए उनसे अनुरोध किया, कृपया इस बढ़ते धार्मिक विभाजन की समस्या का जल्द से जल्द निवारण करें। बाद के एक अन्य ्वीट में उन्होंने लिखा, हमारे मुख्यमंत्री बहुत प्रगतिशील विचारों वाले नेता हैं। मुझे यकीन है कि वह जल्द ही इस मुद्दे को सुलझा लेंगे।% दरअसल, कर्नाटक हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के सरकारी शिक्षण संस्थाओं में हिजाब पर प्रतिबंध बरकरार रखा। इसके बाद राज्य के मुस्लिम व्यापारियों ने फैसले के विरोध में कर्नाटक के मंदिरों और त्योहारों पर आयोजित होने वाले मेलों में अपनी दुकानें बंद रखने का फैसला किया। जवाब में विहिप और बजरंग दल ने दक्षिण कन्नड़ और शिवमोग्गा में मंदिर उत्सवों में मुस्लिम व्यापारियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। कर्नाटक के कई मंदिरों ने अपने परिसर में मुस्लिम व्यापारियों के बहिष्कार का अभियान शुरू कर दिया। कर्नाटक सरकार ने इस सप्ताह विधानसभा में एक आधिकारिक बयान में कहा कि मंदिर परिसरों के भीतर गैर-हिंदुओं के व्यापार करने पर प्रतिबंध कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1997 के तहत 2002 में पेश किए गए एक नियम के अनुसार है। यह नियम तत्कालीन कांग्रेस सरकार लेकर आई थी। मुस्लिम विक्रेताओं का कहना है कि उन्हें टारगेट करने के लिए इस नियम को हथियार बनाया जा रहा है। राज्य सरकार ने कहा है कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएगी कि मंदिर परिसरों के बाहर सार्वजनिक स्थानों पर मुस्लिम व्यापारियों पर इस तरह के प्रतिबंध नहीं लगाए जाएं।

पेट्रोल के बाद अब टोल टैक्स की गाज, टोल प्लाजा पर आना-जाना हो जाएगा महंगा

नई दिल्ली । आसमान छूती महंगाई ने अम लोगों का जीना दूभर कर दिया है। पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, सीएनजी भी पिछले 6 महीनों में 30 प्रतिशत से ज्यादा महंगी हो गई है, खाने-पीने की चीजों के दाम भी बढ़े हैं और अब 1 अप्रैल, मतलब कल, से टोल प्लाजा पर आना-जाना पहले से महंगा हो जाएगा। टोल प्लाजा के रेट्स 10 रुपये से लेकर 65 रुपये तक बढ़ जाएंगे। खबरों के अनुसार, शुक्रवार से वाहनों के हिसाब से टोल रेट्स में इजाफा होगा। नेशनल हाईवे अथॉरटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने लाइट व्हीकल्स के लिए 10 रुपये की बढ़ोतरी की है तो कमर्शियल व्हीकल के लिए 65 रुपये तक का चार्ज बढ़ाया गया है। बता दें कि एनएचएआई की तरफ से हर साल टैक्स रिवाइज़ किया जाता है। इसी का नतीजा है कि 1 अप्रैल 2022 से आपको आने-जाने के लिए पहले से ज्यादा टोल टैक्स चुकाना होगा। एनएचएआई के परियोजना निदेशक एनएन गिरी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। दिल्ली को जोड़ने वाले हाईवे पर कारों और जीपों के टोल टैक्स में □10 की बढ़ोतरी की गई है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी बड़े वाहन के टोल में की गई है। इनमें से वन-वे टोल में 65 की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (59.77 किलोमीटर) पर टोल शुल्क में भी कम से कम 10 फीसदी की वृद्धि होगी। काशी टोल प्लाजा पर सराय काले खां से एक्सप्रेस-वे पर कारों और जीपों जैसे हल्के-मोटर वाहनों के लिए टोल टैक्स 140 के बजाय 155 होगा। सराय काले खां से रसूलपुर सिकरोड प्लाजा तक टोल टैक्स 100 होगा, जबकि भोजपुर के लिए 130 रुपए होगा। इंदिरापुरम से, एनएचएआई हल्के मोटर वाहनों के लिए काशी तक 105 रुपये, भोजपुर तक 80 रुपये और रसूलपुर सिकरोड तक 55 रुपये का टोल लेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

National Rights Group Youtube Channel

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

fight against corruption india

9879141480

krantisamay@gmail.com